TOP SELLING PGT PRACTICE SETS

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा
चयन बोर्ड द्वारा आयोजित

PGT

प्रवक्ता चयन परीक्षा

Most Updated Book!
UP PGT के सभी नवीनतम पेपर्स इस पुस्तक में शामिल हैं।

वाणिज्य

15 सॉल्व्ड प्रैक्टिस सेट्स
एवं 04 सॉल्व्ड पेपर्स
(2021, 2019, 2016, 2013)

Code	Price	Pages
CB996	₹ 229	264

विषय-सूची

Student's Corner

पृष्ठ संख्या

⊙ **Agrawal Examcart Help Centre** — **iv**

⊙ **Best Strategy परीक्षा की तैयारी करने का सही तरीका!** — **v**

⊙ **Current Affairs! की 100% सटीक तैयारी कैसे करें ?** — **vi**

⊙ **Student's Corner** — **vii**

⊙ **प्रवक्ता चयन परीक्षा पाठ्यक्रम** — **viii**

सॉल्व्ड पेपर्स

☆ **प्रवक्ता चयन परीक्षा, 2021 वाणिज्य (हल प्रश्न-पत्र) परीक्षा तिथि : 18 अगस्त, 2021** — **1-22**

☆ **प्रवक्ता चयन परीक्षा, 2016 वाणिज्य (हल प्रश्न-पत्र) परीक्षा तिथि : 1 फरवरी, 2019** — **1-14**

☆ **प्रवक्ता चयन परीक्षा, 2013 वाणिज्य (हल प्रश्न-पत्र) परीक्षा तिथि : 22 फरवरी, 2015** — **15-32**

☆ **प्रवक्ता चयन परीक्षा, 2011 वाणिज्य (हल प्रश्न-पत्र) परीक्षा तिथि : जून, 2016** — **33-47**

प्रैक्टिस सेट्स

➢ **प्रैक्टिस सेट–1** — **48-59**

➢ **प्रैक्टिस सेट–2** — **60-72**

➢ **प्रैक्टिस सेट–3** — **73-85**

➢ **प्रैक्टिस सेट–4** — **86-98**

➢ **प्रैक्टिस सेट–5** — **99-112**

➢ **प्रैक्टिस सेट–6** — **113-126**

➢ **प्रैक्टिस सेट–7** — **127-139**

➢ **प्रैक्टिस सेट–8** — **140-152**

➢ **प्रैक्टिस सेट–9** — **153-166**

➢ **प्रैक्टिस सेट–10** — **167-179**

➢ **प्रैक्टिस सेट–11** — **180-191**

➢ **प्रैक्टिस सेट–12** — **192-205**

➢ **प्रैक्टिस सेट–13** — **206-217**

➢ **प्रैक्टिस सेट–14** — **218-230**

➢ **प्रैक्टिस सेट–15** — **231-242**

प्रवक्ता चयन परीक्षा–2021

वाणिज्य

(हल प्रश्न-पत्र)

परीक्षा तिथि : 18-08-2021

1. किसी अंश के निर्गम मूल्य पर अंकित मूल्य का आधिक्य कहलाता है :

Excess of face value over issue price of a share is called :

(A) लाभ/Profit

(B) बट्टा/Discount

(C) हानि/Loss

(D) प्रतिभूमि प्रीमियम/Security premium

1. (B)
- **बट्टा–** वित्त में, छूट उस स्थिति को संदर्भित करता है, जब एक बांड अपने बराबर या उससे कम के लिए व्यापार कर रहा होता है अंकित मूल्य।
- छूट एक सुरक्षा और सुरक्षा के लिए भुगतान की गई कीमत के बीच के अंतर के बराबर होती है मूल्य से।
- **लाभ–** यदि किसी वस्तु का विक्रय मूल्य उसके क्रय मूल्य से अधिक होता हो तो उनके अन्तर से प्राप्त धनराशि को लाभ कहते हैं।
- **हानि–** यदि किसी वस्तु का विक्रय मूल्य उसके क्रय मूल्य से कम हो, तो उनके अन्तर से प्राप्त धनराशि को हानि कहते हैं।

प्रतिभूति प्रीमियम– प्रतिभूतियों के नाममात्र मूल्य और प्रस्ताव मूल्य के बीच के अंतर को प्रतिभूति प्रीमियम के रूप में जाना जाता है।

2. सोपान शृंखला सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था:

Scalar chain principle had been given by:

(A) एफ. डब्ल्यू. टेलर ने/F. W. Taylor

(B) हेनरी फेयोल ने/Henry Fayol

(C) एल्टन मेयो ने/Elton Mayo

(D) मैक्स वेबर ने/Max Weber

2. (B)
- हेनरी फेयोल फ्रांस के खनन इंजीनियर तथा प्रबन्ध–सिद्धान्तकार थे।
- उन्होंने व्यवसाय प्रशासन का सामान्य सिद्धान्त विकसित किया जिसका 20वीं सदी के प्रारम्भ में व्यापक प्रभाव था।
- एफ. डब्ल्यू. टेलर को वैज्ञानिक प्रबन्धन का जनक माना जाता है।
- एल्टन मेयो के मतानुसार संगठन एक सामाजिक व्यवस्था है।
- मैक्स वेबर एक जर्मन समाजशास्त्री और राजनीतिक अर्थशास्त्री थे।

3. प्रबन्धक किस क्रम में प्रबन्धकीय कार्यों को निष्पादित करते हैं?

In what order do managers perform the managerial functions ?

(A) नियोजन, संगठन, नियंत्रण, निर्देशन/Planning, organising, controlling, directing

(B) संगठन, नियोजन, निर्देशन, नियंत्रण/Organising, planning, directing, controlling

(C) संगठन, निर्देशन, नियोजन, नियंत्रण/Organising, directing, planning, controlling

(D) नियोजन, संगठन, निर्देशन, नियंत्रण/Planning, organising, directing, controlling

3. (D)
- प्रबन्धक के चार सामान्य कार्य नियोजन, संगठन, निर्देशन, नियंत्रण हैं।
- प्रबन्धक द्वारा किसी भी कार्य को प्रारम्भ करने से पहले उसकी योजना बनाई जाती है उसको ही नियोजन कहते हैं।
- संगठन का मार्ग ही मनुष्य की विजय का मार्ग है। यदि मनुष्य किसी गलत उद्देश्य के लिये संगठित हो रहा है तो ऐसा संगठन अभिशाप है, जबकि किसी अच्छे कार्य के लिये संगठन वरदान साबित होता है।
- निर्देशन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति को विकसित करने, अपने सम्बन्ध में पर्याप्त व समन्वित करने तथा कार्य क्षेत्र में अपनी भूमिका को समझने में सहायता प्राप्त होती है।
- नियन्त्रण संगठन के काम में सुगमता लाता है। नियन्त्रण गलतियों को जाँचने में मदद करता है।

4. फर्म के विघटन पर फर्म की सम्पत्तियों को वसूली खाते में हस्तान्तरित किया जाता है उनके :

On dissolution of a firm, the assets of firm are transferred to realization account at their :

(A) पुस्तक मूल्य पर/Book value

(B) बाजार मूल्य पर/Market value

(C) वसूली योग्य मूल्य पर/Realizable value

(D) साझेदारों के मध्य हुये सहमति मूल्य पर/Agreed value among partners

4. (A)
- फर्म के विघटन पर फर्म की सम्पत्तियों को वसूली खाते में हस्तान्तरित किया जाता है उनके पुस्तक मूल्य पर।
- एक साझेदारी फर्म के विघटन के रूप में जानी जाने वाली प्रक्रिया में फर्म की सभी संपत्तियों की बिक्री या समाधान।
- इसकी सभी देनदारियों का अंतिम समझौता और खातों का समझौता शामिल है।
- एक पार्टनरशिप फर्म का विघटन सभी भागीदारों के सामूहिक रूप से उनके बीच किए गए व्यापार समझौते को समाप्त करने का निर्णय है।

5. निम्नलिखित में से किसे कृषि आय में सम्मिलित नहीं किया जाता है ?

Which of the following is not included in Agriculture Income ?

(A) पुष्प उगाने से आय/Income from growing flowers

(B) कृषि भूमि पर कृषि कार्य का किराया/Rent of Agricultural land for agriculture work

(C) खड़ी फसल को खरीदने पर होने वाली आय/Income from purchasing of standing crop

(D) कृषि कार्य से आय/Income from agricultural work

5. (C)
- इस प्रकार से सरल शब्दों में हम कह सकते हैं कि भू–स्वामी या किरायेदार को भारत में स्थित भूमि पर कृषि कार्य करने से होने वाली आय कृषि आय कहलाती है।
- कृषि भूमि से प्राप्त किराया अथवा लगान एवं कृषि के उपयोग में आने वाले भवन की आय भी कृषि आय की श्रेणी में आती है।

• खड़ी फसल को खरीदने पर होने वाली आय को कृषि आय कहते हैं।

6. जब अंशों का हरण किया जाता है तो अंश पूँजी खाता डेबिट किया जाता है :

When shares are forfeited, share capital account is debited by :

(A) अंशों के अंकित मूल्य से/Face value of shares

(B) अंशों पर माँगी गयी धनराशि से/Called up amount of shares

(C) अंशों के प्रदत्त मूल्य से/Paid up value of shares

(D) अंशों पर अदेय धनराशि से/Unpaid amount of shares

6. (B) • हरण का अर्थ अनुबंध टूटने के कारण आवंटन का निरस्तीकरण और अंशों पर प्राप्त राशि को अंशों का हरण राशि के रूप में मानते हैं।

• कभी–कभी अंशधारक आवंटित अंशों पर एक या अधिक किस्तों का भुगतान नहीं कर पाए तो ऐसी स्थिति में कम्पनी के पास चूकताकर्ताओं के अंशों का हरण करने का अधिकार होता है।

• जब अंशों का हरण किया जाता है तो उतनी रकम डेबिट की जाती है।

• उन याचनाओं के खाते बकाया रकम से क्रेडिट किये जाते हैं जिसके कारण अंशों का हरण हुआ है।

7. माल्थस के जनसंख्या सिद्धान्त के अनुसार :

According to the Malthusian theory of population :

(A) जनसंख्या अंकगणितीय रूप से बढ़ती है/Population increases arithmetically

(B) खाद्यान उत्पादन ज्यामितीय रूप से बढ़ता है/Food production increases geometrically

(C) जनसंख्या ज्यामिती रूप से बढ़ती है/Population increases geometrically

(D) दोनों (A) एवं (B)/Both (A) and (B)

7. (A) • माल्थस के जनसंख्या सिद्धान्त के अनुसार जनसंख्या अंकगणितीय रूप से बढ़ती है।

• जनगणना जनसंख्या जनसांख्यिकी डेटा के आधार पर उसकी टारगेट जनसांख्यिकी और जगह में मौजूद लोगों की कुल संख्या।

8. निम्नलिखित सूचनाओं से अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण संचय की गणना कीजिए

देनदार M : ₹ 3,200 अशोध्य अपलिखित किया जाना है

देनदार N : ₹ 8,000 केवल 70% वसूल होने का अनुमान

देनदार O : ₹ 6,000 केवल 60% वसूल होने का अनुमान

देनदार P : ₹ 4,000 आर्थिक स्थिति खराब, कोई भी वसूली की उम्मीद नहीं

With the help of following information calculate provisions for bad and doubtful debts

Debtors M : ₹ 3,200 Bad to be written off

Debtors N : ₹ 8,000 expected to realise only 70%

Debtors O : ₹ 6,000 expected to realise only 60%

Debtors P : ₹ 4,000 financial condition very poor, no recovery is likely

(A) ₹ 8,800 (B) ₹ 12,000

(C) ₹ 4,800 (D) ₹ 4,000

8. (A)
$$\begin{array}{r} 3200 \\ 2400 \\ +\ 2400 \\ \hline 8000 \\ +\ 800 \\ \hline 8800 \end{array}$$
$4000 - 3200 = 800$

• जो एक आरक्षित खाता है जिसे प्रत्याशा में स्थापित किया गया है उसे अशोध्य ऋण कहते हैं।

9. 31 मार्च, 2019 को कुल देनदार ₹ 25,000 हैं तथा अप्राप्य ऋण ₹ 1,000 हैं, तो यदि देनदारों पर छूट की दर 2% तथा अप्राप्य ऋण के लिये प्रावधान की दर 5% हो, तो देनदारों पर छूट की राशि होगी :

On 31st March 2019, total debtors are ₹ 25,000 and bad debts are ₹ 1,000, so if rate of discount on debtors is 2% and rate of provision for bad debts is 5%, then the amount of discount on debtors will be :

(A) ₹ 456 (B) ₹ 475

(C) ₹ 480 (D) ₹ 500

9. (A) • शीघ्र भुगतान करने वाले देनदारों की नकद कटौती दी जाती है। कुल देनदारों में से निकालकर शुद्ध देनदारों पर कटौती के लिए संचिति की जाती है।

• देनदारों पर कटौती के लिए संचित राशि के Dr. पक्ष में दिखाया जाता है।

• देनदारों पर कटौती के लिए चिट्ठे में सम्पत्ति पक्ष में संचिति को देनदारों में से घटाकर दिखाते हैं।

10. देनदारों से संग्रहण :

Collection from debtors :

(A) चालू अनुपात घटाता है/Decreases current ratio

(B) चालू अनुपात बढ़ाता है/Increases current ratio

(C) चालू अनुपात पर कोई प्रभाव नहीं डालता/Has no effect on current ratio

(D) शोधक्षमता अनुपात में सुधार करता है/Improves the solvency ratio

10. (C) • देनदारों से संग्रहण चालू अनुपात पर कोई प्रभाव नहीं डालता है।

• एक देनदार एक इकाई है जो किसी अन्य इकाई के लिए एक ऋण का बकाया है।

• इकाई एक व्यक्ति, एक फर्म, एक सरकार, एक कंपनी या कोई अन्य कानूनी व्यक्ति हो सकती है।

11. संगठन का वह प्रारूप जिसमें रेखीय प्रबन्धकों को विशेषज्ञों की सहायता उपलब्ध होती है, कहलाता है :

The form of organisation in which expert assistance is available to line managers is called :

(A) रेखीय संगठन/Line Organisation

(B) समिति संगठन/Committee Organisation

(C) कार्यात्मक संगठन/Functional Organisation

(D) रेखीय एवं विशेषज्ञ संगठन/Line and Staff Organisation

11. (D) • यह संगठनात्मक संरचना का सरलतम तथा प्राचीन स्वरूप है।

• इसको सोपान या सौनिक संगठन के रूप में भी जाना जाता है।

• कार्यात्मक संगठन एक प्रकार का संगठनात्मक ढाँचा है जो फंक्शन या भूमिका के आधार पर विशेषज्ञता के सिद्धान्त का उपयोग करता है।

• इसमें दो या दो से अधिक व्यक्ति होते हैं जिसमें सामाजिक संबंध पाया जाता है।

अतः स्पष्ट है कि समिति, व्यक्तियों का मात्र एकत्रीकरण नहीं है। समिति चूँकि व्यक्तियों का समूह है।

12. स्कन्ध आवर्त अनुपात है :

Inventory turnover ratio is :

(A) क्रियाशीलता अनुपात/Activity Ratio

(B) लाभदायकता अनुपात/Profitability Ratio

(C) शोधन क्षमता अनुपात/Solvency Ratio

(D) तरलता अनुपात/Liquidity Ratio

12. (A) • क्रियाशीलता अनुपात का प्रमुख उद्देश्य संस्था की कार्य निष्पत्ति तथा प्रबन्धकों की कार्यकुशलता का मूल्यांकन करना होता है।

• लाभदायकता अनुपात संस्था के व्यावसायिक परिचालनों के परिणाम अथवा समग्र कार्य–निष्पादन प्रभावोत्पादकता की माप प्रस्तुत करता है।

• व्यवसाय की ऋण शोधन क्षमता का निर्धारण पणधारियों के प्रति दायित्वों को पूरा करना है।

• यह मापने के लिए कि क्या पर्याप्त सम्पत्ति है, तरलता अनुपात कहते हैं।

13. निम्नलिखित में से कौन सी व्यवसायिक पूर्वानुमान की एक तकनीक नहीं है ?

Which among the following is not a technique of Business Forecasting ?

(A) काल–श्रेणी विश्लेषण/Time-Series Analysis

(B) विचरण विश्लेषण/Variance Analysis

(C) प्रतीपगमन विश्लेषण/Regression Analysis

(D) आगत – निर्गत विश्लेषण/Input-output Analysis

13. (B) • विचरण विश्लेषण का उपयोग समूह के बीच अंतर का विश्लेषण करने के लिये किया जाता है।

• समूहों के बीच और बीच में भिन्नता।

• काल–श्रेणी के विश्लेषण का मुख्य उद्देश्य भावी घटनाओं का सही अनुमान लगाना है।

• प्रतीपगमन विश्लेषण चर के बीच संबंधों का आकलन करने के लिए एक सांख्यिकीय प्रक्रिया है।

• आगत–निर्गत विश्लेषण इस धारणा पर आधारित है कि समस्त अर्थव्यवस्था में औद्योगिक अंतः सम्बन्ध और अन्तर्निर्भरताएँ होती हैं।

14. प्रतिभूति प्रीमियम है :

Security premium is a :

(A) पूँजीगत प्राप्ति/Capital receipt

(B) आयगत प्राप्ति/Revenue receipt

(C) व्यक्तिगत प्राप्ति/Personal receipt

(D) चालू दायित्व/Current liability

14. (A) • एक कम्पनी प्रीमियम पर शेयर जारी करती है जहाँ प्रतिभूतियों प्रीमियम खाते कम्पनी की चुकता शेयर पूँजी के रूप में।

• एक कम्पनी नकदी के लिए किया जाये या नहीं तो प्रीमियम की कुल राशि के बराबर राशि, उन शेयरों पर प्राप्त एक प्रतिभूति प्रीमियम खाता के लिए हस्तान्तरित किया जायेगा।

• पूँजीगत प्राप्तियाँ भारत सरकार को मिलने वाली ऐसी प्राप्तियाँ हैं जिनकी उत्पत्ति के लिए सार्वजनिक सम्पत्ति कम करनी पड़ती है।

15. सम–विच्छेद बिन्दु होता है :

Break-Even Point is :

(A) जहाँ कुल आगम कुल लागत के बराबर होता है/Where total revenue equals total costs

(B) जहाँ कुल आगम कुल स्थिर लागत के बराबर होता है/Where total revenue equals total fixed cost

(C) जहाँ कुल आगम कुल परिवर्तनशील लागत के बराबर होता है/Where total revenue equals total variable cost

(D) जहाँ कुल आगम कुल लागत से अधिक होता है/Where total revenue exceeds the total costs

15. (A) • सम–विच्छेद बिन्दु क्रियाशीलता का वह बिन्दु है जहाँ कुल आगम और कुल व्यय बराबर हों, यह शून्य लाभ और शून्य हानि का बिन्दु होता है।

• सम–विच्छेद बिन्दु में विक्रय मूल्य स्थिर नहीं रहता।

• उत्पादन व्यय अस्थिर होते हैं।

• मशीनों के आकार व उत्पादन विधि में परिवर्तन होता है।

• स्थायी और परिवर्तनशील व्ययों में परिवर्तन होता है।

16. निम्नलिखित विवरणों से यह मानते हुये 'अ' की कर योग्य आय की गणना कीजिए कि वह एक असाधारण निवासी है।

(i) भारत में प्राप्त ₹ 1,000 जो कि इंग्लैण्ड में अर्जित हुई

(ii) पिछले कुछ वर्षों की गैर कर लगी हुई विदेशी आय जो कि गत वर्ष भारत लाई गई ₹ 6,000

(iii) भारत में अर्जित किन्तु इंग्लैण्ड में प्राप्त ₹ 2,000

(iv) अफ्रीका में अर्जित व प्राप्त किन्तु भारत लाई गई ₹ 10,000

From the following details calculate the taxable income of 'A' assuming that he is a 'Not Ordinarily Resident'

(i) Received ₹ 1,000 in India, which accrued in England

(ii) ₹ 6,000 was untaxed foreign income of some earlier years which was brought to India during previous year

(iii) ₹ 2,000 earned in India but received in England

(iv) ₹ 10,000 earned and received in Africa but brought to India

(A) ₹ 19,000 (B) ₹ 12,000

(C) ₹ 9,000 (D) ₹ 3,000

16. (D) • **असाधारण निवासी–** यदि कोई व्यक्ति आधारभूत शर्तों में से कम–से–कम एक शर्त पूरी करे अतिरिक्त शर्तों में से एक भी करे।

• भारत में प्राप्त जो कि

इंग्लैण्ड में अर्जित	1,000
भारत में अर्जित किन्तु	
इंग्लैण्ड में प्राप्त	2,000
असाधारण निवासी की	
कर योग्य आय	3,000

17. प्रविधि लागत लेखांकन के अन्तर्गत प्रति इकाई लागत में वृद्धि होने का कारण है :

The cause of increase in cost per unit under process costing is :

(A) असामान्य क्षय/Abnormal wastage

(B) सामान्य क्षय/Normal wastage

(C) असामान्य बचत/Abnormal gain

(D) सामान्य बचत/Normal gain

17. (B) • ये दुर्घटनाएँ मुख्य रूप से लापरवाही, असावधानी अथवा अज्ञानता के कारण घटित हुयी हैं।

• सामान्य घरेलू दुर्घटनाओं को शामिल किया जाता है।

• असामान्य क्षय में कल्पना की गणना पहले से नहीं की जाती है।

• अनुभव के आधार पर निश्चित एवं अनुमानित सामान्य क्षय की तुलना में वास्तविक क्षय कम होता है, असामान्य लाभ कहते हैं।

• सामान्य बचत में धन को संरक्षित करने यथा– बैंक में रखने, पेंशन फंड में निवेश करने इत्यादि से लगाया जाता है।

18. अशोध्य ऋण जिन्हें बट्टे खाते में डाल दिया गया हो बाद में यदि प्राप्त हो जायें तो उन्हें क्रेडिट करेंगे :

The bad debts that have been written off, if recovered subsequently then they are credited to :

(A) देनदार खाते में/Debtors account

(B) विक्रय खाते में/Sales account

(C) व्यापार खाते में/Trading account

(D) लाभ–हानि खाते में/Profit and loss account

18. (D)
- इसे शुद्ध लाभ या हानि ज्ञात करने के लिए तैयार किया जाता है।
- एक देनदार एक इकाई है जो किसी अन्य इकाई के लिए ऋण का बकाया है।
- प्रत्येक लेन–देन दो खातों को प्रभावित करता है। प्रत्येक खाते में उसी से संबंधित लेन–देनों को लिखा जाता है।
- प्रत्येक लाभ व हानि को निर्धारित करने के लिए जो लेखा तैयार किया जाता है व्यापार खाता कहते हैं।

19. वार्षिक उपनति समीकरण "Y = 30 + 3.6x" को मासिक उपनति समीकरण में परिवर्तित कीजिए।

Convert the annual trend equation "Y = 30 + 3.6x" into monthly trend equation.

(A) Y = 2.5 + 0.3 x

(B) Y = 2.5 + 0.025 x

(C) Y = 30 + 0.3 x

(D) Y = 2.5 + 3.6 x

19. (B)
- वार्षिक उपनति समीकरण–

"Y = 30 + 3.6X"

मासिक उपनति समीकरण–

$$Y = \frac{30}{12} + \frac{3.6}{144}X$$

$$Y = 2.5 + 0.025X$$

- मासिक उपनति समीकरण वह है जो वार्षिक उपनति समीकरण में 12 का भाग व दूसरे में 144 (12 × 12) .... 12 × 12 × 12 ऐसे भाग देकर निकाला जाता है।

20. किसी समस्या का समाधान करने के लिये वैकल्पिक उपायों में से किसी एक उपाय का चयन करने को कहा जाता है :

The process of selecting a course of action out of alternative courses to solve a problem is known as :

(A) नियोजन/Planning

(B) निर्णयन/Decision Making

(C) निर्देशन/Directing

(D) नियन्त्रण/Controlling

20. (B)
- प्रबन्धकों को उपक्रम में कदम–कदम पर निर्णय लेने पड़ते हैं।
- निर्णय उत्पादन, विक्रय, वितरण, वित्त आदि से सम्बन्धित होते हैं, जो प्रबन्धकों को निर्णय लेने में सहायता प्रदान करते हैं।
- उपक्रम के लिये नियोजन करना तथा नीतियों का निर्धारण करना प्रबन्धकों का एक महत्वपूर्ण कार्य है।
- निर्देशन के अन्तर्गत प्रबन्धकों द्वारा अच्छी तरह से कर्मचारियों को निर्देशित किया जाता है ताकि सारे कार्य अच्छी तरह हो सकें।
- नियन्त्रण के अन्तर्गत व्यावसायिक परिणामों की क्रमबद्ध जाँच शामिल होती है।

21. यदि मूल लागत ₹ 20,000, कारखाना उपरिव्यय मूल लागत का 25% तथा कार्यालय उपरिव्यय कारखाना उपरिव्ययों का 80% हो, तो कार्यालय लागत होगी :

If prime cost is ₹ 20,000, factory overheads are 25% of prime cost and office overheads are 80% of factory overheads, then the office cost would be :

(A) ₹ 25,000 (B) ₹ 29,000

(C) ₹ 36,000 (D) ₹ 45,000

21. (B)
- कार्यालय लागत वह है जिसमें कार्यालय से सम्बन्धित सभी सूचनाओं की जानकारी लिखी जाती है।
- 20,000 – 16,000 = 4,000 + 5,000
  = 9,000

  कार्यालय लागत = 20,000
  + 9,000
  29,000

22. श्रेणी के प्रत्येक मान पर आधारित माप है :

The measure based on each value of series is :

(A) विस्तार/Range

(B) मानक विचलन/Standard deviation

(C) चतुर्थक विचलन/Quartile deviation

(D) अन्तर–चतुर्थक विस्तार/Inter-Quartile Range

22. (B)
- प्रायिकता सिद्धान्त और सांख्यिकी में, किसी सांख्यिकीय जनसंख्या, डाटा सेट या प्रायिकता वितरण के प्रसरण के वर्गमूल को मानक विचलन कहते हैं।
- मानक विचलन व्यापक रूप से प्रयोग होने वाला एक मापदंड है, जो प्रकीर्णन की माप करता है कि आँकड़े कितने फैले हुए हैं।
- किसी समूह के मध्यांक से उसके दोनों ओर के चतुर्थांशों के विचलन के औसत को चतुर्थक विचलन कहते हैं।
- अंतर–चतुर्थक विस्तार मध्य के 50% समंकों का विस्तार है।

23. परिवर्तनशील साधन की मात्रा बढ़ाने से यदि कुल उत्पादन बढ़ता है, तो यह कहलाता है :

If total production increases with the increase in variable factor, it is called :

(A) उत्पत्ति समता नियम/Law of constant return

(B) उत्पत्ति ह्रास नियम/Law of diminishing return

(C) उत्पत्ति वृद्धि नियम/Law of increasing return

(D) उत्पत्ति आपूर्ति नियम/Law of supply of production

23. (C)
- जब उत्पत्ति के अधिकांश साधनों को स्थिर रखकर एक साधन की मात्रा को परिवर्तित किया जाता है।
- तब यदि परिवर्तनशील साधन में वृद्धि करने के अनुपात में उत्पादन में वृद्धि होती है।
- उत्पत्ति समता नियम वह है जो उत्पत्ति के साधनों के बीच स्थापित अनुकूलतम से सम्बन्धित है।
- उत्पत्ति ह्रास नियम यह बताता है कि यदि किसी एक उत्पत्ति के साधन की मात्रा को स्थिर रखा जाये।
- उत्पत्ति आपूर्ति नियम प्रतिस्पर्धी बाजार में बेचे गये वस्तुओं, कीमत और मात्रा की विवेचना, व्याख्या और पूर्वानुमान लगाया जाता है।

24. निम्न कथनों में से कौन–सा सही नहीं है ?

Which of the following statements is not correct ?

(A) प्रबन्धकीय लेखांकन और लागत लेखांकन दोनों ही स्वभाव से एक–दूसरे के पूरक हैं/Managerial accounting and cost accounting both are complementary to each other in nature

(B) प्रबन्धकीय लेखांकन का सम्बन्ध इस लेखा सूचना से है जो कि प्रबन्ध के लिए उपयोगी होती है/Managerial accounting is concerned with the accounting information that is useful to management

(C) प्रबन्धकीय लेखांकन केवल परिमाणात्मक सूचनाओं का विवरण सम्मिलित करता है/Managerial accounting includes details of quantitative information only

(D) प्रबन्धकीय लेखांकन लागत लेखांकन पर निर्भर होता है/Managerial accounting depends on cost accounting

24. (C) • प्रबन्धकीय लेखांकन से प्रबन्धकीय कार्य कुशलता में वृद्धि होती है।
• निर्णयन में सहायता करना है।
• भावी योजनाओं को बनाने में सहायता करना है।
• विभिन्न वैकल्पिक कार्यविधियों के एकत्रीकरण, विश्लेषण, मूल्यांकन एवं संक्षेपण को लागत लेखांकन कहते हैं।
• लागत लेखांकन, प्रबन्धकीय लेखांकन का एक रूप है जिसका उद्देश्य उत्पादन के प्रत्येक चरण की परिवर्तनीय लागतों के साथ–साथ निश्चित लागतों का आकलन करना।

25. तीन गुणों के संबंध में वर्गों की कुल संख्या होगी :
In case of three attributes the total number of classes will be :
(A) 27 (B) 9
(C) 12 (D) 3

25. (A) • तीन गुणों के सम्बन्ध में वर्गों की कुल संख्या 27 होती है।
• वर्ग की चारों भुजाएँ समान होती हैं।
• चारों कोण समकोण होते हैं।
• वर्ग एक आयत भी होता है।
• वर्ग एक समांतर चतुर्भुज भी होता है।

26. 'मकान सम्पत्ति से आय' के लिए कर का आधार होता है :
The basis of tax for 'Income from house property' is :
(A) प्राप्त किराया/Rent received
(B) वार्षिक मूल्य/Annual value
(C) मानक किराया/Standard rent
(D) नगरपालिका मूल्य/Municipal value

26. (B) • अगर आप संपत्ति किराए पर देते हैं तो आप जो किराया कमाते हैं तो वह आपका सकल वार्षिक मूल्य है।
• एक समान स्थान का उचित किराया किराए पर ली गई संपत्ति के लिए आपका सकल वार्षिक मूल्य है।
• वास्तविक प्राप्त किराया या उचित किराया या नगरपालिका मूल्यांकन में से सबसे अधिक हो।
• यदि किसी मकान पर नगरपालिका द्वारा कोई कर लिया जाता है और यह कर मकान मालिक द्वारा पूर्णतया या आंशिक रूप से वहन किया जाता है तो मकान मालिक द्वारा जितनी राशि चुकाई गई उस राशि को सकल वार्षिक मूल्य में से घटा दिया जाता है।

27. यदि व्यक्तिगत आय ₹ 62,000, अवितरित लाभ ₹ 400, निगम कर ₹ 1,000 तथा अन्तरण भुगतान ₹ 2,000 है, तो राष्ट्रीय आय होगी :
If Personal Income is ₹ 62,000 Undistributed profit is ₹ 400 Corporate Tax is ₹ 1,000 and Transfer payments is ₹ 2,000, then National Income will be :
(A) ₹ 59,400 (B) ₹ 61,400
(C) ₹ 58,600 (D) ₹ 63,400

27. (B) • किसी देश की उत्पादन व्यवस्था में अंतिम उपभोक्ता के हाथों में जाने वाली वस्तुओं या देश के पूँजीगत साधनों के विशुद्ध जोड़ को ही राष्ट्रीय आय कहते हैं।
• अवितरित लाभ – निगम कर
= 1000 – 400
= ₹ 600
राष्ट्रीय आय = 62,000 – 600 = ₹ 61,400

28. साझेदारों के संयुक्त जीवन बीमा पालिसी पर चुकाये गये प्रीमियम को :
Premium paid on the Joint Life Policy of the partners is :
(A) सम्बन्धित साझेदारों के पूँजी खाते में क्रेडिट किया जाता है/Credited to the respective partner's capital account
(B) सम्बन्धित साझेदारों के पूँजी खातों में डेबिट किया जाता है/Debited to the respective partner's capital account
(C) लाभ–हानि खाते में क्रेडिट किया जाता है/Credited to profit and loss account
(D) लाभ–हानि खाते में डेबिट किया जाता है/Debited to profit and loss account

28. (D) साझेदारों के संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी पर चुकाये गए प्रीमियम को लाभ–हानि खाते में डेबिट किया जाता है।

29. विभिन्न विभागों में विभिन्न स्तर के लोगों के मध्य सूचना के प्रवाह को जिस रूप में जाना जाता है, उसे कहते हैं :
Flow of information amongst people of different departments at different level is known as :
(A) क्षैतिज सम्प्रेषण/Horizontal Communication
(B) ऊर्ध्वमुखी सम्प्रेषण/Upward Communication
(C) अनौपचारिक सम्प्रेषण/Informal Communication
(D) विकर्णी सम्प्रेषण/Diagonal Communication

29. (D) • इस संप्रेषण में संगठन संरचना के औपचारिक प्रवाह को विचार में नहीं रखा जाता है।
• इस प्रकार के संदेशवाहन से विभिन्न विभागों में निर्णयन, दक्षता और कर चयिता में वृद्धि होती है।
• इसका उद्देश्य विभिन्न कार्यों, विभों अथवा योजनाओं में सामंजस्य उत्पन्न करना है।
• उर्ध्वमुखी सम्प्रेषण में संदेशवाहन अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ओर से उच्चस्तरीय अधिकारों की ओर होता है।
• अनौपचारिक सम्प्रेषण जब संवाददाता तथा प्राप्तकर्ता के मध्य अनौपचारिक सम्बन्ध होते हैं।

30. सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार अंशों के निर्गमन के संबंध में आवेदन राशि इससे कम नहीं होनी चाहिए :
As per SEBI guidelines, on issue of shares, the application money should not be less than :
(A) अंशों के नामित मूल्य का 10%/10% of the nominal value of shares
(B) अंशों के निर्गत मूल्य का 10%/10% of the issue price of the shares
(C) अंशों के नामित मूल्य का 25%/25% of the nominal value of shares
(D) अंशों के निर्गत मूल्य का 25%/25% of the issue price of the shares

30. (D) सेबी के दिशा–निर्देशों के अनुसार अंशों के निर्गमन के सम्बन्ध में आवेदन राशि अंशों के निर्गत मूल्य के 25% से कम नहीं होनी चाहिए।

31. किसे वैज्ञानिक प्रबन्धन का जनक कहा जाता है ?
Who is known as the father of Scientific Management ?
(A) इमरसन/Emerson
(B) मेयो/Mayo
(C) एफ. डब्ल्यू. टेलर/F. W. Taylor
(D) कीथ डेविस/Keith Davis

31. (C) • एफ. डब्ल्यू. टेलर को वैज्ञानिक प्रबन्ध का जनक कहा जाता है।
• एफ. डब्ल्यू. टेलर एक अमेरिकन मेकेनिकल इंजीनियर थे।
• इमरर्सन एक अमेरिक निबंधक, व्याख्याता, दार्शनिक थे।
• मेयो एक ऑस्ट्रेलियन बंद साइकॉलॉजिस्ट हैं।
• कीथ डेविस एक अमेरिकन एक्टर और प्रोड्यूसर हैं।

32. एक आवृत्ति वितरण का समान्तर माध्य 5 है। यदि प्रत्येक आवृत्ति को पाँच गुना कर दिया जाय, तो समान्तर माध्य होगा :
The arithmetic mean of a frequency distribution is 5. If each frequency is multiplied by 5, the arithmetic mean will be :
(A) 5 (B) 25
(C) 10 (D) 50

32. (A)
- गणित एवं सांख्यिकी में समान्तर माध्य नमूने के आँकड़ों की केन्द्रीय प्रवृत्ति की एक गणितीय माप है।
- किन्तु जब इसे दूसरे प्रकार के माध्यों से अलग करते हुए देखना हो तो इसे समान्तर माध्य कहते हैं।
- एक आवृत्ति वितरण का समान्तर माध्य 5 है यदि प्रत्येक आवृत्ति को 5 गुना कर दिया जाये तो इसका समान्तर माध्य 5 होगा।

33. एक कम्पनी द्वारा ऋण पत्रों का शोधन नहीं किया जा सकता :
A company cannot redeem its debentures :
(A) संचित लाभों से/Out of accumulated profits
(B) संचित हानियों से/Out of accumulated losses
(C) अपने ऋण पत्रों को बाजार से क्रय करके/By purchase of own debentures from market
(D) ऋण पत्रों को अंशों में परिवर्तित करके/By conversion of debentures into shares

33. (B)
- एक कम्पनी द्वारा ऋण पत्रों का शोधन संचित हानियों से नहीं किया जाता।
- संचित हानियों से आशय जो हानियाँ संचित की जाती हैं।
- वैसे लाभ के एक भाग को संचय के रूप में संचित कर लिया जाता है।
- ऋणपत्रों के शोधन का आशय एक कम्पनी द्वारा निर्गमित ऋणपत्रों पर उसके दायित्व से मुक्ति से होता है।
- शोधन की दृष्टि से ऋणपत्रों को दो भागों में बाँटा जाता है – शोध्य और अशोध्य।

34. दीर्घकालीन प्रवृत्ति का मापन जिस रीति द्वारा नहीं किया जा सकता वह है :
Secular trend cannot be measured by :
(A) चल माध्य रीति/Moving Average Method
(B) अर्ध–माध्य रीति/Semi-Average Method
(C) भारित माध्य रीति/Weighted Average Method
(D) स्वतन्त्र हस्त वक्र रीति/Free Hand Curve Method

34. (C)
- भारों के आधार पर निकाले गए समान्तर माध्य को भारित समान्तर माध्य कहते हैं।
- भारित माध्य वह है जिसे निकालने के लिए प्रत्येक पद को उसके भार से गुणा करके जो संख्या प्राप्त होती है उसे भार के योग से भाग देकर निकाला जाता है।
- चल माध्य को दूसरे वर्ष के सम्मुख, दूसरे चल माध्य को तीसरे वर्ष के सम्मुख इत्यादि लिखा जाता है।
- दो वस्तुओं के बीच की रुचि को बतलाता है उसे स्वतन्त्र हस्त वक्र रीति कहा जाता है।

35. अधिकतम आना, पहले जाना (HIFO) सामग्री निर्गमन की पद्धति उपयोगी होती है जब कि :
Highest In First Out (HIFO) method of issue of material is useful when the :
(A) सामग्री का मूल्य बढ़ रहा हो/Price of material is increasing
(B) सामग्री का मूल्य घट रहा हो/Price of material is decreasing
(C) सामग्री के मूल्य में उतार–चढ़ाव हो रहा हो/Price of material is fluctuating
(D) सामग्री का मूल्य स्थिर हो/Price of material is stable

35. (C)
- उच्चतम इन, फर्स्ट आउट एक इन्वेंट्री डिस्ट्रीब्यूशन मेथड है जिसमें अधिक महँगी वस्तुओं या खरीद की उच्चतम लागत का उपयोग किया जाता है। या स्टॉक से बाहर निकाला जाता है।
- अधिकतम आना, पहले जाना सामग्री के निगर्मन की पद्धति उपयोगी होती है जब सामग्री के मूल्य में उतार–चढ़ाव हो रहा हो तो तब इस पद्धति का उपयोग किया जाता है।

36. निम्नलिखित में कौन सी व्यवसायिक पूर्वानुमान की एक तकनीक नहीं है?
Which of the following is not a technique of Business Forecasting ?
(A) बजटन/Budgeting
(B) वित्तीय विवरणों का प्रस्तुतीकरण/Presentation of financial statements
(C) लागत मानकों का निर्धारण/Determination of cost standards
(D) लाभ नियोजन/Profit planning

36. (B)
- एक वित्त प्रबंधक को निश्चित रूप से विश्लेषण के विभिन्न साधनों से सुसज्जित होना चाहिए ताकि फर्म के लिए विवेकपूर्ण निर्णय लिए जा सके।
- वित्तीय विश्लेषण एक फर्म की वित्तीय सुदृढ़ता एवं कमजोरियों को पहचानने का प्रक्रम है जिसमें तुलन पत्र तथा लाभ–हानि विवरण की मदों के बीच उचित संबंधों को देखा जाता है।
- बजटिंग सभी के जीवन से जुड़ी हुई एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो इस बात पर केन्द्रित होती है कि आप क्या और कहाँ खर्च कर रहें हैं।
- वास्तविक लागत की तुलना इस मानक लागतों से की जाती है।
- एक अच्छी नियोजन प्रणाली सभी प्रबंधकों की भागीदारी सुनिश्चित करती है जो उनकी प्रेरणा में सुधार करती है।

37. निम्न में से कौन–सी माँग सिद्धान्त में उपभोक्ता के सन्तुलन की मान्यता नहीं है ?
Which of the following is not the assumption of consumer's equilibrium in demand theory ?
(A) संक्रामिकता/Transitivity
(B) अनुकूलतम संतुष्टि/Optimum satisfaction
(C) उपभोक्ता की पसन्द स्थिर है/Consumer's choices are consistant
(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

37. (D)
- एक उपभोक्ता संतुलन की अवस्था में तब होता है जब वह अपनी सीमित आय से वस्तुओं को उनकी दी गयी कीमतों पर खरीदकर अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करता है।
- उपभोक्ता की कीमत रेखा उसकी आय एवं उपभोग वस्तुओं की कीमतों से निर्धारित होती है।
- कीमत रेखा के साथ उपभोक्ता ऊँचे से ऊँचे उदासीनता वक्र तक पहुँचने का प्रयास करता है।

38. लेखांकन प्रणाली जो अदत्त व्ययों तथा उपार्जित आयों को लाभ की गणना करने के लिये संज्ञान में नहीं लेती, कहलाती है :
An accounting system that does not take into consideration outstanding expenses and accrued incomes for computation of profit is called :
(A) दोहरी लेखा प्रणाली/Double Entry System
(B) उपार्जन आधारित प्रणाली/Accrual Based System
(C) इकहरा लेखा प्रणाली/Single Entry System
(D) रोकड़ प्रणाली/Cash System

38. (D)
- इस पुस्तक में सारे नकद लेन – देनों को लिखा जाता है।
- रोकड़ प्रणाली में वर्ष के अन्त में कोई अन्तिम खाता या लाभ – हानि खाता आदि नहीं बनाया जाता है।

- दोहरा लेखा प्रणाली में प्रत्येक व्यापार लेन–देन में दो खाते शामिल होंगे।
- जब बही खाते में किसी उत्पाद या सेवा के लेन–देन को उसके ट्रांजेक्शन के समय ही दर्ज किया जाता है चाहे उस सेवा के लिए भुगतान नहीं हुआ हो उसे उपार्जन आधारित प्रणाली कहते हैं।
- इकहरा लेखा प्रणाली में पुस्तपालन की एक ऐसी प्रणाली है जिसमें केवल रोकड़ तथा व्यक्तिगत खातों के अभिलेख रखे जाते हैं यह सदैव अपूर्ण दोहरा लेखा है जो परिस्थितियों के साथ–साथ परिवर्तित होता है।

39. सांख्यिकीय विश्लेषण के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौन सा एक गुण नहीं है ?
Which of the following is not an attribute under statistical analysis ?
(A) बहरापन/Deafness
(B) सुन्दरता/Beauty
(C) ऊँचाई/Height
(D) अंधापन/Blindness

39. (C)
- व्यक्तिगत अनुभवों में वृद्धि सांख्यिकी पद्धति के अभाव में अनुसन्धानकर्ता द्वारा निकाले गये निष्कर्ष केवल अनुमान मात्र होते हैं।
- जटिल तथ्यों को सरल बनाना
- सामान्य नियमों का निर्माण
- सांख्यिकीय विश्लेषण एक विशेष प्रयोगात्मक परीक्षण की विश्वसनीयता का आकलन करने के लिए आगमनात्मक तर्क और संभाव्यता के गणितीय सिद्धांतों का उपयोग करता है।

40. किसी अनुबन्ध की अनुपस्थिति में एक अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार की फर्म में हिस्सेदारी को शेष साझेदार क्रय करेंगे :
In the absence of an agreement retiring partners share in the firm will be purchased by the remaining partners in the :
(A) पूँजी अनुपात में/Capital ratio
(B) लाभ विभाजन अनुपात में/Profit sharing ratio
(C) समान अनुपात में/Equal ratio
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

40. (B)
- विद्यमान साझेदार जिस अनुपात में सेवानिवृत्त/मृत साझेदार से प्राप्त भाग का अधिग्रहण करेंगे लाभ विभाजन अनुपात कहलाता है।
- सामान्यत: विद्यमान साझेदार/सेवानिवृत्त/मृत साझेदार के भाग को पुराने लाभ विभाजन अनुपात में अधिग्रहित करते हैं।
- पूँजी उत्पाद अनुपात, उत्पाद अथवा वास्तविक आय या पूँजी में एक वृद्धि का अनुपात है।
- दो संख्याओं या राशियों का विभाजन से तुलना एक अनुपात कही जाती है। दो अनुपात तुल्य वे कहलाते हैं यदि उनकी संगत भिन्न तुल्य हों। चार राशियाँ एक समानुपात में कही जाती हैं, यदि पहली और दूसरी राशियों का अनुपात तीसरी और चौथी राशियों के अनुपात के बराबर हों।

41. मितव्ययी आदेश मात्रा की अवधारणा संबंधित है :
The concept of economic order quantity is concerned with :
(A) सामग्री का भण्डारण करने की तकनीक से/Technique of warehousing of inventory
(B) सामग्री के नियन्त्रण की तकनीक से/Technique of inventory control
(C) उत्पाद प्रक्रिया में सामग्री के उपभोग की तकनीक से/Technique of inventory consumption in production process
(D) सामग्री के क्षय को नियन्त्रित करने की तकनीक से/Technique of control of wastage of inventory

41. (B)
- आर्थिक आदेश मात्रा को मितव्ययी आदेश मात्रा भी कहा जाता है।
- एक बार में व्यवसाय में इतनी मात्रा में सामग्री की खरीद हो जाती है, कि खरीद लागत और भंडारण लागत दोनों ही न्यूनतम हो जाती है जिस स्तर पर दोनों प्रकार के न्यूनतम होते हैं उस स्तर को मितव्ययी आदेश मात्रा कहते हैं।
- मितव्ययी आदेश मात्रा स्कन्ध के क्रयादेश की वह मात्रा है जहाँ स्कन्ध वाहन लागत और कुल आदेशन लागत एक – दूसरे के बराबर होती है और दोनों लागतों का योग न्यूनतम होता है।

42. देनदार ₹ 40,000, प्राप्य विपत्र ₹ 20,000, उधार विक्रय ₹ 2,50,000, विक्रय वापसी ₹ 10,000, देय विपत्र ₹ 10,000 औसत वसूली अवधि होगी :
Debtors ₹ 40,000, B/R ₹ 20,000, Credit sale ₹ 2,50,000, Sales return ₹ 10,000, B/P ₹ 10,000. The Average collection period will be :
(A) 2 माह/2 months
(B) 3 माह/3 months
(C) 4 माह/4 months
(D) 5 माह/5 months

42. (B)
- औसत वसूली अवधि किसी व्यवसाय को अपने ग्राहकों द्वारा देय खातों के संदर्भ में भुगतान प्राप्त करने में लगने वाले समय की मात्रा है।

$$\begin{array}{r} 250000 \\ -\ 10000 \\ \hline 240000 \end{array}$$

$$\text{औसत वसूली अवधि} = \frac{240000}{60000} = 4$$

$$\frac{12}{4} = 3 \text{ माह}$$

43. दो चरों के मध्य सम्बन्ध को व्यक्त किया जा सकता है :
The relationship between two variables can be expressed in :
(A) अनुपात द्वारा/Ratio
(B) प्रतिशत द्वारा/Percentage
(C) दर द्वारा/Rate
(D) उपर्युक्त सभी के द्वारा/All of the above

43. (D)
- अगर दो चरों के बीच कोई संबंध है तो वह तब होता है जब एक चर में परिवर्तन के साथ दूसरे चर में भी समान अथवा वितरित दिशा में परिवर्तन होता है।
- तभी हम कहते हैं कि दोनों चर सहसंबंधित हैं।
- सहसंबंध के विभिन्न मापों की गणना कर सकेगें।
- संबंधों की मात्रा और दिशा का विश्लेषण कर सकेंगे।
- दो संमक श्रेणियों व समंक समूहों के मध्य कार्यकरण संबंध ही सहसंबंध कहलाता है।

44. भारत में जनगणना कराने का उत्तरदायित्व है :
The responsibility to conduct census in India lies with :
(A) भारत सरकार के गृह मंत्रालय पर/Ministry of Home affairs, Government of India
(B) भारत सरकार के वित्त मंत्रालय पर/Ministry of Finance, Government of India
(C) भारत सरकार के श्रम एवं नियोजन मंत्रालय पर/Ministry of Labour and Employment Government of India
(D) भारत सरकार के युवा मामलों एवं खेल–कूद मंत्रालय पर/Ministry of Youth Affairs and Sports Government of India

44. (A)
- भारत की जनगणना कराने का उत्तरदायित्व भारत सरकार के गृह मंत्रालय का है। किसी देश अथवा किसी

भी क्षेत्र में लोगों के बारे में विधिवत् रूप से सूचना प्राप्त करना एवं उसे रिकॉर्ड करना जनगणना कहलाती है।

- 2011 तक, भारत की जनगणना 15 बार हो चुकी है। 1872 में यह ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड मेयो के अधीन पहली बार कराई थी। उसके बाद यह हर 10 वर्ष कराई गई।
- वित्त मंत्रालय वित्तीय संस्थानों, पूँजी बाजार, केन्द्र एवं राज्य के वित्त एवं केंद्रीय बजट से संबंधित है।
- श्रम मंत्रालय एवं, नियोजन मंत्रालय में श्रम और रोजगार राज्य मंत्री और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस भारत सरकार ने 24 दिसम्बर, 2021 को ई.एस.आई. औषधालय और शाखा कार्यालय पनकी कानपुर, उत्तर प्रदेश का उद्घाटन किया।
- खेल–कूद एवं युवा मंत्रालय दिल्ली में है। इसमें एशियाई खेलों का आयोजन समय–समय पर किया जाता है। खेल–कूद एवं युवा मंत्रालय भारत सरकार का एक मंत्रालय है।
- गृह मंत्रालय राज्यों के संवैधानिक अधिकारों में दखल दिए बिना, सुरक्षा, शान्ति एवं सौहार्द बनाए रखने के लिए राज्य सरकारों को जन शक्ति एवं वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

45. कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार एक कम्पनी द्वारा अंशों का निर्गमन किया जा सकता है :
According to Companies Act, 2013 shares can be issued by a company at :
(A) सम मूल्य पर/Par
(B) बट्टे पर/Discount
(C) सम मूल्य अथवा प्रीमियम पर/Par or Premium
(D) प्रीमियम पर/Premium

45. (C)
- अंशों को सममूल्य या अधिलाभ पर निर्गमित किया जा सकता है।
- अंशों का सममूल्य पर निर्गमन कहलाता है यदि उनकी निर्गमित राशि, दिए गए नियम व शर्तों के अनुसार अंकित मूल्य के बराबर हो जब कंपनी द्वारा निर्गमित अंशों का मूल्य अंकित मूल्य से अधिक हो तो यह अधिमूल्य पर निर्गमन है।
- प्रीमियम पर जब ऋणपत्र पर वसूल की गई रकम उसके अंकित मूल्य से अधिक हो तो प्रीमियम पर निर्गमन कहलाता है।
- यदि अंशों को अंकित मूल्य से कम मूल्य पर निर्गमित किया जाता है तो अंशों के ऐसे निर्गमन को अंशों का बट्टे पर निर्गमन कहते हैं।

46. किये गये वास्तविक व्ययों से लागत का निर्धारण कहलाता है :
Determination of cost from actual expenses incurred is termed as :
(A) प्रत्यक्ष लागत लेखांकन/Direct costing
(B) अप्रत्यक्ष लागत लेखांकन/Indirect costing
(C) ऐतिहासिक लागत लेखांकन/Historical costing
(D) मानक लागत लेखांकन/Standard costing

46. (C)
- ऐतिहासिक लागत सिद्धांत है जो एक कंपनी के वित्तीय वक्तव्यों से संबंधित सबसे महत्त्वपूर्ण अवधारणाओं में से एक है।
- इस सिद्धांत के लिए एक कम्पनी को विशिष्ट संपत्ति के लिए ऐतिहासिक लागत की रिपोर्ट करने की आवश्यकता होती है।
- वह लागत जो किसी विशेष लागत वस्तु को आसानी से प्राप्त हो जाती है प्रत्यक्ष लागत के रूप में जानी जाती है।
- अप्रत्यक्ष लागत वे लागतें हैं जो किसी लागत वस्तु के प्रति जवाबदेह नहीं होती हैं।
- मानक लागत लेखांकन 1920 के दशक से पारंपरिक लागतों के आधार पर पारंपरिक लागत लेखांकन विधि के विकल्प के रूप में पेश की गई पारंपरिक लागत लेखांकन विधि है।

47. गत वर्ष से अभिप्राय होता है :
The term previous year means :
(A) वित्तीय वर्ष से/Financial year
(B) लेखांकन वर्ष से/Accounting year
(C) कैलेण्डर वर्ष से/Calender year
(D) कर–निर्धारण वर्ष के ठीक पूर्व के वित्तीय वर्ष से/Financial year just before assessment year

47. (D)
- कर निर्धारण वर्ष से ठीक पूर्व वाले वित्तीय वर्ष को गत वर्ष कहा जाता है।
- कर निर्धारण वर्ष 2020 - 21 से संबंधित गत वर्ष का अभिप्राय।
- वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से 31 मार्च तक की अवधि को एक वित्तीय वर्ष कहते हें।
- एक लेखा अवधि उस समय की एक स्थापित शृंखला है, जिसके दौरान लेखांकन कार्य कैलेंडर वर्ष या वित्तीय सहित किये जाते हैं।
- किसी महीने के चौथे या वर्ष के 48वें भाग को सप्ताह कहते हैं। कैलेण्डर वर्ष 1 जनवरी से 31 दिसम्बर तक की अवधि को कहा जाता है।

48. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही नहीं है?
Which of the following statements is not true ?
(A) वातावरण में ऑक्सीजन का प्रतिशत 21 है/The percentage of oxygen in environment is 21
(B) पर्यावरण प्रदूषण का सबसे महत्वपूर्ण कारण कृषि में रसायनों का प्रयोग है/The most dominating cause of enviromental polution is use of chemicals in agriculture
(C) पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 में पारित हुआ था/The Environment Protection Act was passed in 1986
(D) हरित ईंधन योजना का उद्देश्य शीशा रहित पेट्रोल द्वारा वायु प्रदूषण को कम करना है/Green Fuel Scheme aims at reducing air polution by lead-less-petrol

48. (B)
- पर्यावरण प्रदूषण को पृथ्वी के भौतिक और जैविक घटकों के संदूषण के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- प्रदूषक प्राकृतिक रूप से पदार्थ या ऊर्जा हो सकते हैं।
- पर्यावरण संरक्षण का तात्पर्य है कि हम अपने चारों ओर के वातावरण को संरक्षित करें तथा उसे जीवन के अनुकूल बनायें रखें।
- हरित ईंधन योजना महानगरों में सीसा – रहित नेटवर्क का उपयोग करेगी तथा वायु की गुणवत्ता में वास्तविक अन्तर उत्पन्न करने पर अपना ध्यान केन्द्रित करेगी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य वाहनों के धुएँ को रोकना है।

49. प्रत्यक्ष रूप से एक पर्यवेक्षक का निर्देश मानने वाले अधीनस्थों की संख्या कहलाती है :
Number of subordinates that report directly to a single supervisor is called :
(A) व्यवसाय का विस्तार/Span of business
(B) नियंत्रण का विस्तार/Span of control
(C) संगठन का विस्तार/Span of organisation
(D) गतिविधि का विस्तार/Span of activity

49. (B)
- नियन्त्रण के विस्तार का अर्थ अधीनस्थों की वह संख्या जिन्हें उच्चाधिकारी प्रभावी ढंग से नियंत्रित कर सके।
- व्यवसाय का अर्थ है एक ऐसा धंधा जिसमें धन के बदले वस्तुओं अथवा सेवाओं का उत्पादन, विक्रय और विनिमय होता है।

- संगठन वह सामाजिक व्यवस्था है जिसका लक्ष्य एक होता है जो अपने कार्यों की समीक्षा करते हुए स्वयं का नियन्त्रण करती हैं।
- गतिविधि वह है जिसका लक्ष्य गतिविधियाँ कराना होता है और गतिविधियों का विस्तार किया जाता है।

50. व्यावसायिक पूर्वानुमान के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा एक सही नहीं है ?
In case of business forecasting which of the following statements is not correct ?
(A) अल्प विस्तार पूर्वानुमान दीर्घ विस्तार पूर्वानुमान से कम सही होते हैं/Short range forecasts are less accurate than long range forecasts
(B) काल–श्रेणी पूर्वानुमान के अन्तर्गत गत अनुभवों से प्राप्त समंकों का विश्लेषण किया जाता है/Under time series forecast data obtained from past experience is analyzed
(C) निर्देशांक पूर्वानुमान की विधियों में से एक है/Index numbers is one of the methods for forecasting
(D) व्यावसायिक पूर्वानुमान की न्यूनतम वर्ग रीति को सर्वोपयुक्त रेखा भी कहते हैं/Least squares method of business forecasting is also known as line of best fit

50. (A)
- व्यावसायिक पूर्वानुमान किसी काल–श्रेणी के भूत तथा वर्तमान की गति का सांख्यिकीय विश्लेषण है।
- समय बीत चुका है अथवा चल रहा है उसके विषय में कोई पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता है।
- एक काल–श्रेणी ऐसे सांख्यिकीय समंकों का समूह है जिन्हें कालक्रमानुसार संग्रहित अभिलेखित किया जाता है।
- निर्देशांक पूर्वानुमान दो समयावधि अथवा दो स्थानों का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है।
- अल्प विस्तार पूर्वानुमान कम लगाये जाते हैं।

51. प्रबन्ध के सिद्धान्तों के महत्वपूर्ण होने की वजह है :
The principles of management are significant because of :
(A) संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग/Optimum utilisation of resources
(B) कार्यकुशलता में वृद्धि/Increase in efficiency
(C) पहल/Initiative
(D) परिवर्तित हो रही तकनीक का अनुकूलन/Adaptation to changing technology

51. (B)
- प्रबन्ध के सिद्धान्त एक आधारभूत सत्य होते हैं।
- प्रबन्धक को कार्यकुशलता में वृद्धि करनी चाहिए जिससे उसके उद्देश्यों की पूर्ति अतिशीघ्र की जा सके।
- प्रबन्धकों द्वारा संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग किया जाना चाहिए।
- प्रबन्धकों को हर चीज की जानकारी होनी चाहिए अर्थात् परिवर्तित तकनीक का अनुकूलन किया जाना चाहिए।
- प्रबन्धक के द्वारा हर चीज की पहल की जानी चाहिए।

52. वैवाहिक आमंत्रण–पत्र के मुद्रण के लिये सर्वाधिक उपयुक्त लागत लेखांकन प्रणाली है :
For printing of wedding invitation card the most appropriate costing system is :
(A) प्रविधि लागत विधि/Process costing
(B) ठेका लागत विधि/Contract costing
(C) इकाई लागत विधि/Unit costing
(D) उपकार्य लागत विधि/Job costing

52. (D)
- उपकार्य लागत विधि भवन, पुल, बाँध आदि निर्माण कार्यों से संबंधित होता है।
- इसमें उत्पादन कार्य कारखाने के अन्दर ही किया जाता है।
- प्रविधि लागत विधि में वास्तविक और प्रमाप लागतों में अन्तर का निर्धारण कर विचरणों के कारणों का पता लगाया जाता है।
- ठेका लागत विधि में प्रत्येक ठेके को एक पृथक् लागत की इकाई मान कर इसकी लागत निकाली जाती है।
- इकाई लागत विधि जिसमें निरन्तर निर्माण गतिविधि में एकल उत्पाद की प्रति यूनिट लागत का पता लगाया जाता है।

53. किसी कम्पनी द्वारा प्रतिभूति प्रीमियम का प्रयोग किया जा सकता है :
Securities premium can be used by a company for :
(A) अपने सदस्यों को पूर्णदत्त बोनस अंश निर्गमित करने के लिये/Issuing fully paid bonus shares to its members
(B) पूर्वाधिकार अंशों के शोधन के लिये/Redemption of preference shares
(C) अंशों पर लाभांश भुगतान करने के लिए/Payment of dividend on shares
(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

53. (A)
- प्रतिभूति प्रीमियम का उपयोग पूरी तरह से भुगतान किये गए बोनस शेयर के रूप में कम्पनी के सदस्यों को जारी किये जाते हैं।
- कम्पनी के प्रारंभिक खर्चों को लिखने के लिए।
- पूर्वाधिकार अंशों का शोधन एक कम्पनी द्वारा अपने अधिमान अंशधारियों को उनका इन अंशों में लगा धन वापस करने से होता है।
- पूँजी के संबंध में यह कंपनी के समापन पर इस अंश की पूँजी वापस प्राप्त करने का अधिकार समता अंश से पूर्व होता है।

54. किसी एक उत्पाद अथवा सेवा की मूल लागत की गणना करने की लागत लेखांकन विधि है :
The cost accounting method to compute basic cost of a product or service is :
(A) प्रविधि लागत विधि/Process costing
(B) ठेका लागत विधि/Contract costing
(C) समरूप लागत विधि/Uniform costing
(D) इकाई लागत विधि/Unit costing

54. (D)
- एक वस्तु की सही लागत ज्ञात करने के लिए लागत इकाई एवं लागत केन्द्र कहते हैं।
- यह सामान्य लेखांकन प्रणाली का ही एक प्रमुख भाग है।
- ठेका लागत विधि में प्रत्येक ठेके को एक पृथक् लागत की इकाई मानकर इसकी लागत निकाली जाती है।
- लागत नियन्त्रण एक ऐसी प्रविधि है जो प्रबंधकों द्वारा प्रमाप या बजट की सहायता से लागतें नियमित करने हेतु प्रयोग में लायी जाती हैं।
- समरस लागत विधि उन लागतों को अपनाने की विधि हैं जहाँ एकल उत्पाद का उत्पादन होता है।

55. कार्यात्मक संगठन का प्रमुख लाभ है :
The main advantage of functional organisation is :
(A) विशेषज्ञता/Specialisation
(B) समन्वयन/Co-ordination
(C) सम्प्रेषण/Communication
(D) सरलीकरण/Simplification

55. (A)
- कार्यात्मक संगठन एक प्रकार का संगठनात्मक ढाँचा है।
- जो फंक्शन या भूमिका के आधार पर विशेषज्ञता के सिद्धांत का उपयोग करता है। प्रत्येक कार्यकर्ता कई विशेषज्ञों के विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्राप्त करता है।

- किसी संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उसकी विभिन्न क्रियाओं में सामंजस्य व तालमेल स्थापित करना समन्वय कहलाता है।
- संप्रेषण तभी हो सकता है जब संदेशों के बीच में समन्वय स्थापित हो।
- सरलीकरण से तात्पर्य है कि हमारा काम करने का तरीका इस प्रकार हो कि कम से कम समय और शक्ति को व्यय कर के अधिक–से–अधिक कार्य पूरा किया जा सके।

56. एक वर्ष के दौरान देश में उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं के कुल मूल्य को कहा जाता है :

The total value of goods and services produced within the country during a year is called :

(A) जी.डी.पी./G.D.P.

(B) जी.एन.पी./G.N.P.

(C) एन.एन.पी./N.N.P.

(D) एन.डी.पी./N.D.P.

56. (A)
- किसी एक साल में देश में उत्पन्न होने वाले सभी सामानों और सेवाओं की कुल वैल्यू की जी.डी.पी. कहा जाता है।
- अगर जी.डी.पी. बढ़ती है तो इसका मतलब है कि अर्थव्यवस्था ज्यादा रोजगार पैदा कर रही है।
- किसी देश के निवासियों के स्वामित्त्व में उत्पादन के सभी माध्यमों द्वारा किसी निश्चित अवधि में किए गये सभी उत्पादों एवं सेवाओं का एक आकलन होता है जिसे जी.एन.पी. कहते हैं।
- उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं में से मूल्य ह्रास को घटाने पर N.N.P. प्राप्त होता है।
- N.D.P. में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन होता है।

57. एक निजी कम्पनी में सदस्यों की अधिकतम संख्या हो सकती है :

The maximum number of members in a private limited company can be :

(A) 20

(B) 50

(C) 200

(D) असीमित/Unlimited

57. (C)
- निजी कम्पनी कम से कम दो और अधिकतम पचास सदस्यों का स्वैच्छिक संघ है, जिनका दायित्त्व सीमित होता है।
- एक निजी कम्पनी में अधिकतम 200 सदस्य हो सकते हैं लेकिन कुछ शर्तों के अधीन।
- जिनके शेयरों का अंतरण इसके सदस्यों तक सीमित होता है।

58. यदि पूँजी ₹ 50,000, दायित्व ₹ 30,000 और स्थायी सम्पत्तियाँ ₹ 70,000 हों, तो चालू सम्पत्तियाँ होंगी :

If capital is ₹ 50,000 liability is ₹ 30,000 and fixed assets are ₹ 70,000, then the value of current assets will be :

(A) ₹ 90,000

(B) ₹ 50,000

(C) ₹ 10,000

(D) ₹ 1,50,000

58. (C)
- चालू सम्पत्ति वैसे धन को कहते हैं जो निर्धारित न हो अर्थात् जो घटता–बढ़ता रहता है।
- दायित्व – स्थायी सम्पत्तियाँ
  = 70,000 – 30,000
  = 40,000

  चालू सम्पत्तियों का मूल्य
  = 50,000 – 40,000
  = 10,000

59. निम्नलिखित में से कौन–सा प्रबन्धकीय लेखांकन का एक उपकरण नहीं है ?

Which of the following is not a tool of management accounting ?

(A) वित्तीय लेखांकन/Financial accounting

(B) स्फीति लेखांकन/Inflation accounting

(C) प्रमाप लागत लेखांकन/Standard costing

(D) वित्तीय विवरणों का विश्लेषण/Analysis of financial statements

59. (B)
- स्फीति लेखाविधि लेखांकन की एक पद्धति है जिसके अन्तर्गत सभी आर्थिक घटनाओं को उनकी चालू लागत पर रिकॉर्ड किया जाता है।
- स्फीति लेखा – विधि में चालू लागत का आशय रिपोर्ट देने की तिथि पर प्रचलित लागत से है।
- वित्तीय लेखांकन की एक विशिष्ट शाखा है जिसमें समय–समय पर व्यवसाय संचालन से उत्पन्न लेन–देन की रिकॉर्डिंग शामिल है।
- प्रमाप लागत से तात्पर्य उन लागतों से होता है जो एक दी गई परिस्थितियों में एक प्रदत्त उत्पादन की मात्रा पर सामान्य रूप में की जा सकती हों।
- सूचना के उपयोगकर्ताओं द्वारा सूचित निर्णय और निर्णय की अनुमति देने के लिए आर्थिक जानकारी को पहचानने, मापने की प्रक्रिया को वित्तीय विवरणों का विश्लेषण कहते हैं।

60. किसी ग्राहक को 'अनुमोदन द्वारा विक्रय' के आधार पर बेचे गये माल का लेखा किया जाता है :

Goods sold to a customer on 'sale on approval' basis is recorded as :

(A) नकद विक्रय के रूप में/Cash sales

(B) उधार विक्रय के रूप में/Credit sales

(C) अन्तिम रहतिये के रूप में/Closing stock

(D) देनदार के रूप में/Debtor

60. (C)
- किसी ग्राहक को अनुमोदन द्वारा विक्रय के आधार पर बेचे गये माल का लेखा अंतिम रहतिये के रूप में किया जाता है।
- अन्तिम रहतिया स्टॉक इन्वेंट्री की राशि है जो व्यापार की अभी भी एक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में हाथ में है।
- जिसमें एक व्यक्ति नकद भुगतान कर कुछ वस्तुओं अथवा संपत्तियों का हस्तांतरण अपने नाम करवाता है।
- इसी प्रकार विक्रय रोकड़ के भुगतान द्वारा अथवा उधार पर एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को किन्ही वस्तुओं अथवा सम्पत्तियों के हस्तांतरण की प्रक्रिया है।

61. द्वितीय चतुर्थक को कहा जाता है :

Second quartile is called :

(A) माध्य/Mean

(B) माध्यिका/Median

(C) बहुलक/Mode

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं/None of the above

61. (B)
- माध्यिका उस कोटि का मान होता है जो व्यवस्थित श्रेणी को दो बराबर संख्याओं में विभाजित करता है।
- यह मान वास्तविक मूल्यों से स्वतंत्र होता है।
- दिये गये सभी आँकड़ों के योग में आँकड़ों की संख्या से भाग देने पर प्राप्त संख्या को ही माध्य कहते हैं।
- अंकों के किसी समूह में जिस अंक की सर्वाधिक बार आवृत्ति होती है वही मूल्य उस समूह का बहुलक होता है।

62. यदि चालू अनुपात 2.5 तथा कार्यशील पूँजी ₹ 90,000 हो तो, चालू सम्पत्तियों का मूल्य होगा :

If current ratio is 2.5 and working capital is ₹ 90,000, then the value of current assets would be :

(A) ₹ 60,000
(B) ₹ 1,35,000
(C) ₹ 1,50,000
(D) ₹ 2,25,000

62. (C) चालू सम्पत्ति वैसे धन को कहते हैं जो निर्धारित न हो अर्थात् जो घटता–बढ़ता रहता है।

$$\text{चालू अनुपात} = \frac{\text{चालू सम्पत्तियाँ}}{\text{चालू दायित्व}}$$

$2.5 \times$ चालू दायित्व = चालू सम्पत्तियाँ

कार्यशील पूँजी = 90,000

माना, $90,000 = 2.5x - x$

$90,000 = 1.5x$

$\frac{90000}{1.5} = x$

x = 60,000 चालू दायित्व

चालू सम्पत्तियाँ = $60,000 \times 2.5$

= 1,50,000

63. निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान में रखते हुए एक सही विकल्प को पहचानिए :

a. जनांककीय संक्रमण सिद्धान्त के अनुसार प्रथम चरण में जन्म दर निम्न होती है, किन्तु मृत्यु दर ऊँची होती है।

b. उनके मध्य अंतर अधिक होता है।

Consider the following statements and identify the right ones :

a. According to the theory of demographic transition in the first stage, birth rate is low but death rate is high.

b. The difference between them is high.

(A) केवल a/a only
(B) केवल b/b only
(C) दोनों a और b/Both a and b
(D) न तो a और न b/Neither a nor b

63. (D) • जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त एक जनसंख्या सिद्धान्त है जिसमें किसी क्षेत्र में लम्बे समय अवधि में जनसंख्या के जन्मदर और मृत्युदर के मध्य अंतर के कारण जनसंख्या में प्राकृतिक वृद्धि की व्याख्या की जाती है।

• यह सिद्धान्त मूल रूप से डब्ल्यू. एस. थॉमसन ने 1929 ई. में प्रस्तुत किया था।

64. एक व्यक्ति द्वारा 10% का अधिभार देय है जहाँ उसकी कुल आय अधिक है :

Surcharge of 10% is payable by an individual, where his/her total income exceeds to :

(A) ₹ 7,50,000 से/₹ 7,50,000
(B) ₹ 10,00,000 से/₹ 10,00,000
(C) ₹ 50,00,000 से/₹ 50,00,000
(D) ₹ 1,00,00,000 से/₹ 1,00,00,000

64. (C) • एक व्यक्ति द्वारा 10% का अधिभार देय है जहाँ पर उसकी कुल आय ₹ 50,00,000 से अधिक होगी।

• किसी उत्पादक या फर्म के द्वारा अपने उत्पादन की एक निश्चित मात्रा को बेचकर जो धनराशि प्राप्त की जाती है उसे कुल आय कहते हैं।

65. निम्नलिखित में कौन–सी कम्पनी की एक विशेषता नहीं है?

Which of the following is not a characteristic of a company ?

(A) गैर–समामेलित संस्था/Non-corporate body
(B) कृत्रिम व्यक्तित्व/Artificial personality
(C) शाश्वत् उत्तराधिकार/Perpetual succession
(D) पृथक् वैधानिक अस्तित्त्व/Separate legal existence

65. (A) • गैर–समामेलित संस्था वह है जो बिना किसी भागीदारी या प्रतिनिधित्व के साथ प्राकृतिक या कानूनी व्यक्तियों के द्वारा बनाये गये विधिवत् संगठित गैर–सरकारी संगठनों को संदर्भित करने के लिए व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है।

• विधान द्वारा कृत्रिम व्यक्ति कम्पनी विधान द्वारा निर्मित अदृश्य एवं अमूर्त व्यक्ति है।

• शाश्वत् उत्तराधिकार एक ही निरन्तरता है निगम की या मौत, दिवालियापन, पागलपन के किसी भी हस्तान्तरण के व्यापार से एक निकास के बावजूद अन्य संगठन के अस्तित्त्व शेयर।

• वैधानिक रूप से कम्पनी का अस्तित्व पृथक् रूप से स्थापित किया गया है।

66. एक संगठित समूह की सभी क्रियाओं, लक्ष्य निर्धारण एवं लक्ष्य प्राप्ति को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया को कहा जाता है :

The process of influencing the activities of an organised group in efforts towards goal setting and goal achievement is called :

(A) नियोजन/Planning
(B) नियन्त्रण/Controlling
(C) प्रबन्धन/Management
(D) नेतृत्त्व/Leadership

66. (D) • प्रबन्धक द्वारा लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये नेतृत्व प्रक्रिया का प्रयोग किया जाता है।

• प्रबन्धक द्वारा संगठित समूह की सभी क्रियाओं, लक्ष्य निर्धारण एवं लक्ष्य प्राप्ति को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया को नेतृत्व कहा जाता है।

• नियोजन प्रबन्धकीय लेखा–विधि का एक महत्वपूर्ण कार्य है।

• प्रबन्धक के द्वारा उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अच्छा प्रबन्धन किया जाता है तभी उसे लाभों की प्राप्ति की जा सकती है।

• नियन्त्रण प्रबन्धकीय लेखा – विधि का प्रमुख कार्य है जिससे कर्मचारियों पर नियन्त्रण रखा जाता है।

67. प्रबन्ध का अन्तिम कार्य है :

The last function of management is :

(A) निर्देशन/Directing
(B) नियन्त्रण/Controlling
(C) संगठन/Organising
(D) नियोजन/Planning

67. (B) • प्रबन्धकीय लेखा–विधि द्वारा प्रबन्ध को नियन्त्रण में भी सहायता देता है।

• प्रबन्धकीय लेखा – विधि के अन्तर्गत सामग्री, श्रम व अप्रत्यक्ष खर्चों के नियन्त्रण के लिये अनेक रीतियों को अपनाया जाता है।

• प्रबन्धकीय लेखा–विधि का कार्य संगठन में मदद करना भी है।

• प्रबन्धकीय लेखा–विधि में विभिन्न व्यक्तियों के बीच अधिकारों तथा दायित्वों का बँटवारा करना।

• प्रबन्ध द्वारा संस्था के भावी कार्यों हेतु योजना का निर्माण किया जाता है।

68. सम–विच्छेद बिन्दु से तात्पर्य है :

Break-Even Point means :

(A) विक्रय × P/V अनुपात – परिवर्तनशील लागत/Sales × P/V ratio – Variable Cost
(B) विक्रय × P/V अनुपात + स्थायी लागत/ Sales × P/V ratio + Fixed Cost
(C) विक्रय × P/V अनुपात – स्थायी लागत/ Sales × P/V ratio – Fixed Cost
(D) विक्रय × P/V अनुपात + परिवर्तनशील लागत/Sales × P/V ratio + Variable Cost

68. (C) • विक्रय अथवा उत्पादन की वह मात्रा जिस पर न लाभ होता है न ही हानि, सम–विच्छेद बिन्दु कहते हैं।

• इस बिन्दु पर कुल आय कुल लागत के बराबर होती है। इस बिन्दु से कम विक्रय अथवा उत्पादन करने या हानि होती है और यदि बिन्दु से विक्रय अथवा उत्पादन अधिक किया जाता है तो लाभ होगा।

69. अभिप्रेरणा का संबंध है :
Motivation is related to :
(A) नियोजन से/Planning
(B) नियन्त्रण से/Controlling
(C) नेतृत्व से/Leadership
(D) संगठित करने से/Organising

69. (C) • अभिप्रेरणा का संबंध नेतृत्व करने से है।
• अभिप्रेरणा का आशय प्रबन्धक द्वारा कर्मचारियों को कार्य के प्रति अभिप्रेरित करना।
• नियोजन से आशय प्रबन्धक द्वारा सर्वप्रथम योजना बनाई जाती है जिससे उसके उद्देश्य की प्राप्ति की जा सके।
• नियन्त्रण से आशय प्रबन्धक द्वारा कर्मचारियों पर नियन्त्रण करना जिससे उसके उद्देश्य की पूर्ति की जा सके।
• संगठित करने का आशय यह है कि विभिन्न व्यक्तियों के बीच दायित्वों का बँटवारा और अधिकारों का बँटवारा करना, जिससे कार्य जल्दी– से–जल्दी उन्नति पर पहुँच सकें।

70. नेतृत्व की वह शैली जिसमें समूह के सदस्यों को अपना कार्य स्वतन्त्रतापूर्वक करने की अनुमति प्रदान की जाती है, कहलाती है :
A leadership style in which group members are allowed to carry out their work freely is called :
(A) निर्बाधवादी शैली/Free-rein style
(B) जनतंत्रीय शैली/Democratic style
(C) निरंकुश शैली/Autocratic style
(D) पैतृक शैली/Paternalistic style

70. (A) • निरंकुश शैली को अक्सर शास्त्रीय दृष्टिकोण माना जाता है।
• इस शैली के तहत् एक नेता विकेन्द्रीकरण करता है और अपने अधीनस्थों को उच्च अधिकार सौंपता है।
• इस शैली के तहत्, एक प्रबंधक अपने अधीनस्थों को पूर्ण स्वतंत्रता देता है।
• निर्बाधवादी में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरन्तर प्रयत्नशील रहता है।
• नेतृत्व के इस तरीके में सभी निर्णय लीडर द्वारा लिये जाते हैं।

71. ठेका खाते में चालू कार्य के अन्तर्गत सम्मिलित किया जाता है :
In Contract Account, the work in progress consists of :
(A) प्रमाणित कार्य की लागत/Cost of work certified
(B) अप्रमाणित कार्य की लागत/Cost of work uncertified
(C) प्रमाणित एवं अप्रमाणित कार्य की लागत/Cost of work certified and uncertified
(D) प्रमाणित कार्य पर प्राप्त रोकड़ एवं प्रमाणित कार्य की लागत/Cash received on work certified and cost of work certified

71. (C) • प्रमाणित कार्य की राशि से ठेका खाते को क्रेडिट कर दिया जाता है। लेखांकन वर्ष के अंत तक प्राप्त प्रगति भुगतान की कुल राशि को नकद प्राप्त राशि कहते हैं। इससे ठेकादाता के व्यक्तिगत खाते को डेबिट कर दिया जाता है।
• अप्रमाणित कार्य की लागत को भी ठेका खाता के जमा पक्ष में दर्शाया जाता है। यदि कोई प्लान्ट तथा मशीनरी ठेके पर लाते समय अपने पूरे मूल्य से ठेका खाता के नाम से लिखी जाती है।

72. भारत में प्राप्त या प्राप्त समझी जाने वाली आय कर योग्य होगी :
Income received in India or deemed to be received in India shall be taxable for :
(A) सभी करदाताओं के लिये/All assesses
(B) निवासी के लिये/Residents
(C) असाधारण निवासी के लिये/Not ordinarily residents
(D) अनिवासी के लिये/Non-residents

72. (A) • वह व्यक्ति जो कर चुकाने के लिए उत्तरदायी है।
• भारत में प्राप्त आय सभी करदाताओं के लिये कर योग्य होती हैं।
• निवासी के लिए दोनों आधारभूत शर्तों में से कम–से–कम एक शर्त पूरी करता हो अथवा अतिरिक्त शर्तों में दोनों।
• असाधारण निवासी के लिये कम–से–कम एक शर्त और अतिरिक्त शर्तों में कोई भी शर्त पूरी नहीं करना।
• अनिवासी के लिए आधारभूत शर्तों में से कोई नहीं और अतिरिक्त शर्तों में कोई विचार नहीं।

(**शर्तें**) : –
• **आधारभूतशर्त** – 182 दिन या अधिक भारत में रहा, गत वर्ष के 4 वर्षों में से 365 दिन या उससे अधिक भारत में रहा।
• **अतिरिक्त शर्त** – 10 वर्षों में से कम से कम 2 वर्ष भारत में रहा। 7 वर्षों में से कुल मिलाकर 730 दिन भारत में रहा हो।

73. सहसम्बन्ध गुणांक एवं निर्धारण गुणांक के बीच सम्बन्ध को निम्नांकित रूप में व्यक्त किया जा सकता है :
The relationship between correlation co-efficient and co-efficient of determination can be expressed as follows :
(A) निर्धारण गुणांक सहसम्बन्ध गुणांक का वर्ग होता है/Co-efficient of determination is the square of correlation co-efficient
(B) निर्धारण गुणांक सहसम्बन्ध गुणांक का वर्ग मूल होता है/Co-efficient of determination is the square root of correlation co-effiecient
(C) दोनों बराबर होते हैं/Both are equal
(D) दोनों असम्बन्धित हैं/Both are unrelated

73. (A) • निर्धारण का गुणांक एक सहसंबंध गुणांक के वर्ग की गणितीय गणना है।
• सहसंबंध गुणांक एक मॉडल की सटीकता की गणना है।
• निर्धारण का गुणांक डेटा, या आउटलेट और वर्ग के प्रतिगमन योग के साथ खाता त्रुटियों को ध्यान में रखता है।

74. प्रबन्धकीय प्रतिवेदन प्रणाली के अन्तर्गत नियन्त्रण प्रतिवेदन एवं सूचना प्रतिवेदन अभिन्न अंग है :
Under Management Reporting System Control Reports and Information Reports are integral part of :
(A) वित्तीय प्रतिवेदनों का/Financial Reports
(B) परिचालन प्रतिवेदनों का/Operating Reports
(C) वित्तीय प्रतिवेदनों एवं परिचालन प्रतिवेदनों दोनों का/Both Financial Reports and Operating Reports
(D) अंशधारियों को दिये जाने वाले प्रतिवेदनों का/Reports to be given to shareholders

74. (B) • प्रतिवेदन एक ऐसा लिखित विवरण है जिसमें तथ्यात्मकता पर आधारित किसी घटना, संस्था, विभाग आदि को प्रस्तुत किया जाता है।
• इसका मुख्य कार्य शुद्ध और स्पष्ट जानकारी देना होता है।

- वित्तीय प्रतिवेदन एक लेखांकन ढाँचा है जो वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित लेन–देनों एवं घटनाओं सम्बन्धी पहचान, माप, प्रस्तुतीकरण एवं प्रकटीकरण आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।
- जब किसी नये अंशधारी का प्रवेश होता है तब उसको एक प्रतिवेदन दिया जाता है जो लिखित रूप से होता है और जिसमें उस अंशधारी के पते, नाम व उससे संबंधित सारी जानकारी लिखी जाती है।
- प्रबन्धकीय प्रतिवेदन प्रणाली के अन्तर्गत नियन्त्रण प्रतिवेदन एवं सूचना प्रतिवेदन अभिन्न अंग है परिचालन प्रतिवेदनों का।

75. संसद अथवा किसी राज्य के विधानमंडल द्वारा पारित विशेष अधिनियम के अन्तर्गत समामेलित कम्पनी कहलाती है :

A company incorporated by a special Act of Parliament or any State Legislature is called :

(A) सरकारी कम्पनी/Government company

(B) सार्वजनिक कम्पनी/Public company

(C) वैधानिक कम्पनी/Statutory company

(D) पंजीकृत कम्पनी/Registered company

75. (C)
- वैधानिक कम्पनी का आशय ऐसी कम्पनी से है जिसका निर्माण पंजीकरण इस अधिनियम के अन्तर्गत हुआ हो।
- वैधानिक कम्पनी का अस्तित्व वैधानिक होता है और जो विधान द्वारा निर्मित होती है।
- सरकारी कम्पनी से आशय एक ऐसी कम्पनी से है जिसकी प्रदत्त पूँजी का कम से कम 51% भाग केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों के पास में हो।
- सार्वजनिक कम्पनी एक प्रकार का संगठन है।
- भारत में कंपनी अधिनियम की धारा 609 के तहत् नियुक्त कंपनी रजिस्ट्रार जिनके अंतर्गत विभिन्न राज्य और संघ राज्य क्षेत्र आते हैं का मुख्य कार्य संबंधित राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में निर्मित कंपनियों को रजिस्टर करना है।

76. वार्षिक आवश्यकता हेतु एक कम्पनी किसी वस्तु की 8,000 इकाइयाँ क्रय करती है। प्रत्येक इकाई की लागत ₹ 10 है। आदेश देने की लागत प्रति आदेश ₹ 30 है। सामग्री रखने की लागत वार्षिक औसत स्कन्ध का 7.5% है। मितव्ययी आदेश मात्रा होगी :

A company buys 8,000 units of an item for its annual requirement. Each unit costs ₹ 10, the ordering cost per order is ₹ 30 and the carrying cost is 7.5% of the average inventory per year. The economic order quantity will be :

(A) 566 इकाई/566 units

(B) 800 इकाई/800 units

(C) 2530 इकाई/2530 units

(D) 900 इकाई/900 units

76. (B) मितव्ययी आदेश मात्रा उचित आदेश मात्रा है जो एक कंपनी को इन्वेंट्री व्यय को कम करने के लिए खरीदना चाहिए।

मितव्ययी आदेश मात्रा का सूत्र,

$$E.O.Q. = \sqrt{\frac{2RC_p}{C_h}}$$

$R = 8000$ units, $P = ₹ 10$, $C_p = ₹ 30$,

$$C_h = \frac{10 \times 7.5}{100} = 0.75$$

$$E.O.Q. = \sqrt{\frac{2 \times R \times C_p}{C_h}}$$

$$= \sqrt{\frac{2 \times 8000 \times 30}{0.75}}$$

$$= \sqrt{640000}$$

= 800 इकाइयाँ

77. निम्नलिखित में से कौन–सा प्रबन्धकीय कार्य साधन और परिणाम से संबंधित है ?

Which of the following function of management is concerned with means and ends ?

(A) संगठन/Organising

(B) नियन्त्रण/Controlling

(C) नियोजन/Planning

(D) निर्देशन/Directing

77. (C)
- उपक्रम के लिये नियोजन करना तथा नीतियों का निर्धारण करना प्रबन्धकों का एक महत्वपूर्ण कार्य है।
- नियोजन की सहायता से प्रबन्धन और भी अच्छे से किया जा सकता है।
- योजना के कार्यान्वयन हेतु विभिन्न व्यक्तियों के बीच दायित्वों का बँटवारा और अधिकार – रेखांकन ये दोनों कार्य संगठन के अन्तर्गत शामिल किये जाते हैं।
- नियन्त्रण के अन्तर्गत व्यावसायिक परिणामों की क्रमबद्ध जाँच शामिल होती हैं। प्रबन्धकीय लेखांकन का एक उद्देश्य नियन्त्रण में सहायता प्रदान करना है।
- निर्देशन का कार्य कर्मचारियों को नेतृत्व प्रदान करना, प्रभावित करना और अभिप्रेरित करना है।

78. वह लागत जो प्रति इकाई स्थिर रहती है किन्तु उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन के साथ परिवर्तित हो जाती है, कहलाती है :

A cost that remains constant per unit but changes with the volume of output is called :

(A) स्थिर लागत/Fixed cost

(B) अर्ध–परिवर्तनशील लागत/Semi-variable cost

(C) परिवर्तनशील लागत/Variable cost

(D) संविलयन लागत/Absorption cost

78. (C)
- जो व्यय परिवर्तनशील साधन पर किया जाता है उसे ही परिवर्तनशील लागत कहते हैं।
- कच्चे माल की लागत, बिजली की लागत, श्रमिक की मजदूरी आदि परिवर्तनशील लागत के उदाहरण हैं।
- जैसे– भूमि, भवन, मशीन आदि। इन स्थिर साधनों पर होने वाले खर्च को ही स्थिर लागत कहते हैं।
- अर्ध–परिवर्तनीय लागत एक व्यय है जिसमें एक निश्चित – लागत घटक और एक परिवर्तनीय – लागत घटक दोनों शामिल हैं।
- उत्पादन में एक इकाई की वृद्धि करने से कुल लागत में जो वृद्धि होती है उसे संविलयन लागत कहते हैं।

79. मंदी के बाद आता/आती है :

After recession, comes :

(A) समृद्धि/Prosperity

(B) अवनति/Depression

(C) पुनरुत्थान/Recovery

(D) स्थिरता/Stagnation

79. (B)
- अवनति का अर्थ सामान्य स्थिति से नीचे गिरना।
- जब वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में निरन्तर गिरावट हो रही हो और सकल घरेलू उत्पाद कम–से–कम तीन महीने डाउन ग्रोथ में हो तो इस स्थिति को मन्दी कहते हैं।
- समृद्धि का अर्थ है जब व्यापार में सफलता मिल रही हो तो उसे समृद्धि कहते हैं।

- जहाँ अर्थव्यवस्था तरक्की में गिरावट का अनुभव करती है जिसके बाद रिकवरी अलग – अलग तरीके से होती है इसमें अर्थव्यवस्था का एक हिस्सा आगे बढ़ता है और दूसरा खराब स्थिति में बना रहता है।
- स्थिरता का मतलब है कि किसी क्षेत्र या देश की अर्थव्यवस्था आर्थिक प्रदर्शन के प्रमुख उपायों में बड़े उतार – चढ़ाव को नहीं दिखाती है।

80. ज्ञात है :

समता अंश पूँजी	₹ 3,00,000
7% पूर्वाधिकार अंश पूँजी	₹ 2,00,000
संचय एवं आधिक्य	₹ 1,00,000
8% ऋणपत्र	₹ 4,00,000
कुल सम्पत्तियाँ	₹ 10,00,000

पूँजी दन्तिकरण अनुपात होगा

Given :

Equity share capital	₹ 3,00,000
7% Preference share capital	₹ 2,00,000
Reserve and surplus	₹ 1,00,000
8% Debentures	₹ 4,00,000
Total Assets	₹ 10,00,000

Capital Gearing Ratio will be

(A) 0.6 : 1 (B) 0.8 : 1

(C) 0.67 : 1 (D) 1 : 1

80. (A) पूँजी दन्तिकरण के अध्ययन के माध्यम से ऋण एवं स्वामित्व पूँजी में सही सन्तुलन रखा जा सकता है एवं विभिन्न साधनों से प्राप्त धन की वांछनीयता पर विचार किया जा सकता है।

पूँजी दन्तिकरण अनुपात

$$= \frac{\text{अंशधारकों का कोण}}{\text{कुल सम्पत्तियाँ}}$$

समता अंश पूँजी + 7% पूर्वाधिकार अंश पूँजी + संचय एवं आधिक्य

= 300000 + 200000 + 100000

= 600000

कुल सम्पत्तियाँ = 10,00,000

$$\text{पूँजी दन्तिकरण अनुपात} = \frac{6,00,000}{10,00,000}$$

= 0.6 : 1

81. कार्ल पियरसन का सहसंबंध गुणांक ज्ञात किया जा सकता है :

The Karl Pearson's coefficient of correlation can be computed between :

(A) दो चरों के मध्य/Two Variables

(B) दो गुणों के मध्य/Two Attributes

(C) दो संख्याओं के मध्य/Two Numbers

(D) दो मान्यताओं के मध्य/Two Assumptions

81. (A)
- कार्ल पियरसन का सहसंबंध – गुणांक का मान किसी दिशा में बदलता है।
- तो वह दूसरे चर का दो चरों के बीच रेखीय संबंधों का संख्यात्मक मान या तो उसी दिशा में बदलता है या फिर विपरीत दिशा में जब इसे एक सीधी रेखा द्वारा प्रस्तुत किया जा सके।
- सहसंबंध गुणांक एक ऐसी अनुपातिक संख्या होती है जो दो चरों के बीच सहसंबंध की प्रकृति और उसकी मात्रा दोनों का स्पष्ट बोध कराती है।

82. व्यापार चक्र के संबंध में निम्नलिखित में से कौन–सा एक सही नहीं है ?

With regard to business cycles, which of the following is not true ?

(A) विस्तार, मंदी, अवनति और पुनरुत्थान व्यापार चक्र के चार चरण हैं/Expansion, recession, depression and recovery are the four phases of business cycles

(B) व्यापार चक्र पूँजीवादी पद्धति का एक अंग है/Business cycle is a part of the capitalist system

(C) कीन्स के अनुसार, "व्यापार चक्र एक विशुद्ध मौद्रिक घटना है" /According to Keynes, "The trade cycle is a purely monetary phenomenon"

(D) व्यापार चक्र का नवाचार सिद्धान्त जोसेफ शुम्पीटर के नाम से सम्बन्धित है/The innovations theory of business cycle is associated with the name of Joseph Schumpeter

82. (C)
- किसी अर्थव्यवस्था में एक निश्चित समयान्तराल पर आर्थिक क्रियाओं में होने वाले बदलाव को व्यापार चक्र कहते हैं।
- व्यापार चक्र बाजार अर्थव्यवस्था में एक वर्ष अथवा कुछ माह में उत्पादन, व्यापार और संबंधित गतिविधि को सन्दर्भित करने वाला एक शब्द है।
- व्यापार चक्र के विस्तार, उत्सादन, अवनति और पुनरुत्थान चार चरण हैं।
- व्यापार चक्र पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की प्रमुख विशेषता है।
- व्यापार चक्र का नवाचार सिद्धान्त जोसेफ शुम्पीटर के नाम से भी संबंधित होता है।

83. नये साझेदार के प्रवेश पर यदि साझेदार यह निर्णय करते हैं कि सम्पत्तियों एवं दायित्त्वों के मूल्य में हुये परिवर्तनों का लेखा पुस्तकों में तो किया जाये किन्तु खातों में नहीं तो फर्म तैयार करती है :

On the admission of a new partner if the partners decide to record changes occurred in the value of assets and liabilities in books but not in accounts then the firm prepares :

(A) लाभ – हानि विनियोजन खाता/Profit and loss appropriation account

(B) लाभ – हानि समायोजन खाता/Profit and loss adjustment account

(C) पुनर्मूल्यांकन खाता/Revaluation account

(D) अनुस्मारक पुनर्मूल्यांकन खाता/Memorandum revaluation account

83. (D)
- अनुस्मारक पुनर्मूल्यांकन खाता को तैयार करने का मुख्य उद्देश्य यह है जो भी लाभ अर्जित किया गया है या नुकसान हुआ वह उस भागीदार का है, जो फर्म में मौजूद था।
- इसमें फर्म को बंद करने के समय, संपत्ति को बेचकर या देनदारियों को अस्वीकार करके, फर्म को क्या लाभ/हानि होती है।
- लाभ और हानि खाता इस तरह के सभी खर्चों और आय पर विचार करता है और किसी विशेष अवधि के दौरान किसी व्यवसाय द्वारा किए गए शुद्ध लाभ या शुद्ध हानि देता है।
- फर्म में किसी नये साझेदार के प्रवेश के समय फर्म की सम्पत्ति एवं उसके दायित्त्वों के मूल्य में समायोजन करने के लिए एक खाता खोला जाता है जिसे लाभ–हानि समायोजन खाता कहते हैं।
- पुनर्मूल्यांकन खाता एक नाममात्र का खाता है यह खाता सम्पत्तियों के पुनर्मुल्यांकन तथा दायित्वों के पुनर्निर्धारण पर होने वाले लाभ अथवा हानि को ज्ञात करने के उद्देश्य से बनाया जाता है उसे पुनर्मूल्यांकन खाता कहते हैं।

84. स्थायी सम्पत्तियों पर ह्रास की गणना की जाती है उनके :

The depreciation on Fixed Assets is computed on their :

(A) पुस्तक मूल्य पर/Book value

(B) बाजार मूल्य पर/Market value

(C) वसूली योग्य मूल्य पर/Realizable value

(D) अवशेष मूल्य पर/Scrap value

84. (A) • किसी परिसंपत्ति की पुस्तक का मूल्य बैलेंस शीट पर उसके ले जाने के मूल्य के बराबर है।
• और कंपनियाँ इसकी संचित मूल्यह्रास के खिलाफ संपत्ति को शुद्ध करने की गणना करती है।
• बाजार मूल्य वह मूल्य है जो बाजार में एक परिसंपत्ति को प्राप्त होता है।
• प्रयोग में एक परिसंपति के मूल्य हकीकत में अपनी उचित मूल्य बेचने के लिए कम लागत से अधिक है कि विश्वास करने का कोई कारण नहीं है, तो संपत्ति का उचित मूल्य बेचने क लिए कम लागत इसकी वसूली योग्य राशि के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
• अवशेष मूल्य → सम्पत्ति जब कार्य के योग्य नहीं रहेगी तो जिस मूल्य पर वह बेची जाएगी यह अवशिष्ट मूल्य ही कबाड़ का मूल्य है। सम्पत्ति के लागत मूल्य से उसके अवशेष मूल्य को घटाते हैं।

85. आकस्मिक आय में सम्मिलित नहीं है :
The term casual income does not include :
(A) लॉटरी से जीती हुयी राशि/Winning from Lottery
(B) जुये में जीती हुयी राशि/Winning from Gambling
(C) अंशों के विक्रय पर पूँजी लाभ/Capital gain on sale of shares
(D) सड़क पर पड़ा धन मिलना/Receipt of money lying on road

85. (C) • आकस्मिक आय वह है जो आकस्मिक प्रवृत्ति की हो।
• जिसके बार–बार प्राप्त होने की संभावना नहीं है।
• लॉटरी से जीती हुयी राशि को आकस्मिक आय कहा जायेगा क्योंकि वह आकस्मिक प्रवृत्ति की है।
• जुये में जीती हुयी राशि को भी आकस्मिक आय कहते हैं क्योंकि यह आकस्मिक प्रवृत्ति की है।
• सड़क पर पड़ा धन मिलना भी आकस्मिक प्रवृत्ति का है।
• अंशों के विक्रय पर पूँजी लाभ को आकस्मिक आय की श्रेणी में नहीं रखा जायेगा।

86. लेखांकन की उपार्जन प्रणाली, इस नाम से भी जानी जाती है :
Accrual system of accounting is also known as :
(A) रोकड़ प्रणाली/Cash system
(B) व्यापारिक प्रणाली/Mercantile system
(C) प्राप्ति प्रणाली/Receipt system
(D) सरकारी प्रणाली/Government system

86. (B) • व्यापारिक प्रणाली वह है जिसमें एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को सामानों का स्वामित्व अन्तरण ही व्यापार कहलाता है।
• व्यापार का अर्थ है क्रय और विक्रय। स्वामित्व का अन्तरण सामान, सेवा या मुद्रा के बदले किया जाता है।
• रोकड़ प्रणाली में सारे नकद लेन – देनों को लिखा जाता है।
• प्राप्ति प्रणाली में संदर्भ ग्रंथ सूची की मदों को पुनः प्राप्त कर सकती है अथवा उस तथ्य विषय – वस्तु को पुनः प्राप्त कर सकती है।
• भारत में सरकारी प्रणाली को पंचायत कहते हैं। ग्रामीण स्तर पर पंचायती राज्य सरकार की शाखा है जिसमें हर गाँव अपनी गतिविधियों के लिये स्वंय जिम्मेदार होता है।

87. ह्रास लेखांकन के लिए किस लेखांकन प्रमाप का प्रयोग किया जाता है?
Which accounting standard is used for depreciation accounting ?
(A) लेखांकन प्रमाप – 2/AS - 2
(B) लेखांकन प्रमाप – 5/AS - 5
(C) लेखांकन प्रमाप – 6/AS - 6
(D) लेखांकन प्रमाप – 13/AS - 13

87. (C) • लेखांकन मानक एक लिखित नीति अभिलेख है।
• लेखांकन विशेषज्ञों या सरकार या अन्य नियामक संस्था द्वारा जारी किये जाते हैं जो कि मान्यता, मापन, प्रस्तुतीकरण, उपचार और वित्तीय विवरणों के वित्तीय हस्तान्तरणों को जारी करता है। मूल्य ह्रास लेखांकन।
• लेखांकन प्रमाप 2 वित्तीय विवरण तैयार करने हेतु लेखांकन व्यवहारों में से भिन्नता का उन्मूलन करने में सहायता करता है।
• लेखांकन प्रमाप 5 अवधि के लिए शुद्ध लाभ या हानि, पूर्व अवधि मदें और लेखांकन नीतियों में परिवर्तन
• लेखांकन प्रमाप – 13 में विनियोगों के लिए लेखांकन किया जाता है।

88. "लाभों की प्रत्याशा मत करो और सभी हानियों के लिये व्यवस्था कर लो" इस मान्यता का आधार है :
The assumption that "Anticipate no profit and provide for all losses" is based on :
(A) रुढ़िवादिता की परिपाटी/Convention of conservatism
(B) एकरूपता की परिपाटी/Convention of consistency
(C) सारता की परिपाटी/Convention of materiality
(D) पूर्ण प्रकटीकरण की परिपाटी/Convention of full disclosure

88. (A) • रूढ़िवादिता की परिपाटी में ह्रास की व्यवस्था की जाती है।
• विनियोगों के मूल्य में होने वाले उच्चावचनों के लिए प्रावधान है।
• इस मान्यता के अनुसार व्यवसाय का लेखा तैयार करते समय प्रत्येक वर्ष समान नियमों व पद्धतियों का प्रयोग किया जाना चाहिए। एकरूपता की परम्परा कहलाती है।
• सारता की परम्परा के अनुसार लेखाशास्त्रों से मिलने वाली सूचनाएँ यथार्थ रूप से सही होनी चाहिए।
• इस परम्परा के अनुसार वित्तीय विवरण पूर्ण ईमानदारी के साथ तैयार किये जाने चाहिए और उनमें सभी आवश्यक तथ्यों एवं सूचनाओं का यथास्थान उल्लेख होना चाहिए। प्रकटीकरण की परम्परा कहलाती है।

89. स्थिर लागत ₹ 12,00,000 (₹ 80,000 ह्रास को सम्मिलित करते हुए) प्रति इकाई विक्रय मूल्य ₹ 1,200 प्रति इकाई परिवर्तनशील लागत ₹ 900 ऋण की किस्त ₹ 2,00,000 नकद सम–विच्छेद बिन्दु होगा :
Fixed cost ₹ 12,00,000 (including depreciation ₹ 80,000) Selling Price per unit ₹ 1,200 variable cost per unit ₹ 900 Loan Installment ₹ 2,00,000. Cash Break Even Point will be :
(A) 4367 इकाई/4367 units
(B) 4400 इकाई/4400 units
(C) 4000 इकाई/4000 units
(D) 4933 इकाई/4933 units

89. (B) सम–विच्छेद बिन्दु

$$= \frac{\text{स्थिर लागत}}{\text{प्रति इकाई विक्रय मूल्य} \times \text{इकाई परिवर्तनशील लागत}}$$

$$= \frac{1200000}{300}$$

= 4000 इकाइयाँ

सम–विच्छेद बिन्दु = विक्रय अथवा उत्पादन की वह मात्रा जिस पर न लाभ होता है न ही हानि, सम–विच्छेद बिन्दु कहलाता है।

90. निर्माण के लिए निविदा है :
Tender for construction is an :
(A) लाभ का अनुमान/Estimation of profit
(B) लागत का अनुमान/Estimation of cost
(C) विक्रय मूल्य का अनुमान/Estimation of selling price
(B) कार्य का अनुमान/Estimation of work

90. (B)
- लागत अनुमान लागत आकलन प्रक्रिया का उत्पाद है।
- लागत अनुमान में एक एकल कुल मूल्य होता है और इसमें पहचान योग्य घटक मूल्य हो सकते हैं।
- लाभ का अनुमान ये व्यापारी, अर्थशास्त्री व राजनीतिज्ञों का पथ–प्रदर्शन करते हैं।
- **विक्रय मूल्य : –** अनुमानित शुद्ध अवशिष्ट मूल्य से आशय परिसम्पत्ति के जीवनकाल के अन्त में अनुमानित शुद्ध वसूली योग्य मूल्य से है। इसकी गणना परिसम्पत्ति को बेचने पर किये जाने वाले खर्चों को काटकर की जाती है।
- समय अनुमान तब उत्पन्न होते हैं जब आप कोई कार्य बनाते हैं और कार्य करने के लिए आवश्यक सामान्य संसाधन की विशेषताओं की पहचान करते हैं।

91. मार्शल के अनुसार उपभोक्ता की बचत का आधार है :
According to Marshall the basis of consumer surplus is :
(A) सम सीमान्त उपयोगिता नियम/Law of euqal-marginal utility
(B) समान अनुपातों का नियम/Law of equal proportions
(C) सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम/Law of diminishing marginal utility
(D) परिवर्तनशील अनुपातों का नियम/Law of variable proportions

91. (C)
- सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम एक सार्वभौमिक नियम है।
- यह नियम उपभोक्ता के उस व्यवहार पर आधारित है जिसमें उपभोक्ता द्वारा किसी वस्तु की ज्यादा से ज्यादा इकाई उपभोग करने पर अतिरिक्त उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की इकाइयों की सीमान्त उपयोगिता उत्तरोत्तर घटती जाती है।
- सम – सीमांत उपयोगिता नियम एक उपभोक्ता संतुलन में तब होगा, जब एक वस्तु की सीमांत उपयोगिता और कीमत का अनुपात दूसरी वस्तु की सीमांत उपयोगिता और उसकी कीमत के अनुपात के बराबर हो।
- समान अनुपातों का नियम के अनुसार जब दो भिन्न – भिन्न तत्व तीसरे तत्व के एक निश्चित द्रव्यमान से अलग – अलग क्रिया करते हैं तो उनके द्रव्यमान का अनुपात या तो समान होता है या इसका कोई सरल गुणांक होता है।
- परिवर्तनशील अनुपात का नियम अल्पकाल से संबंधित है।

92. निर्यातकों को पैकिंग क्रेडिट की सुविधा प्रदान की जाती है :
Packing credit facility to exporters is provided by :
(A) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा/Reserve Bank of India
(B) व्यापारिक बैंकों द्वारा/Commercial Banks
(C) सहकारी बैंकों द्वारा/Co-operative Banks
(D) निर्यात साख एवं गारन्टी निगम द्वारा/ Export Credit and Guarantee Corporation

92. (B)
- निर्यात अंतर्राष्ट्रीय बाजार से व्यापार के कार्य को मजबूर करता है।
- वाणिज्य बैंक उन बैंकों को कहते हैं जो धन जमा करने, व्यवसाय के लिये ऋण देने जैसी सेवाएँ प्रदान करते हैं। इन्हें वाणिज्यिक या व्यावसायिक बैंक कहते हैं।
- भारतीय रिजर्व बैंक भारत की अर्थव्यवस्था को नियन्त्रित रखता है। यह भारत के सभी बैंकों का संचालक है।
- सहकारी बैंक वह बैंक है जिनका गठन एवं कार्यकलाप सहकारिता के आधार पर करते हैं।
- गारंटी निगम लिमिटेड भारत सरकार का उद्यम है जो भारतीय निर्यातकों एवं वाणिज्यिक बैंकों को निर्यात ऋण बीमा प्रदान करता है।

93. आय के मापन का आधार है :
The basis of Income Measurement is :
(A) मिलान अवधारणा/Matching concept
(B) लेखांकन अवधि अवधारणा/Accounting Period concept
(C) मुद्रा मापन अवधारणा/Money Measurement concept
(D) लागत अवधारणा/Cost concept

93. (A)
- लाभ व हानि के सही निर्धारण के लिए आय व व्यय का ठीक प्रकार से मिलान किया जाना आवश्यक है।
- आय के मापने का आधार मिलान अवधारणा के द्वारा किया जाता है इसके पश्चात् ही सही लाभ का निर्धारण होगा।
- लेखा पुस्तकों में लेन–देनों का लेखा इस मान्यता पर किया जाता है कि उन लेन–देनों के फलस्वरूप एक निश्चित अवधि के लिए लाभ का निर्धारण किया जाना है। इसे ही लेखांकन अवधि अवधारणा कहते हैं।
- मुद्रा माप अवधारणा यह मानती है कि सभी व्यावसायिक लेन–देनों का अभिलेखन लेखा पुस्तकों में मुद्रा रूप में करना चाहिए।
- लागत की अवधारणा किसी वस्तु के उत्पादन या सेवा की प्रदायगी में आने वाले सभी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष व्यय शामिल होते हैं।

94. किसी सम्पत्ति के मूल्य, स्वामित्व, स्वत्व, अस्तित्व एवं कब्जे के संबंध में जाँच कहलाती है :
An enquiry regarding the value, ownership, title, existence, and possession of an asset is called :
(A) प्रमाणन/Vouching
(B) मूल्यांकन/Valuation
(C) सत्यापन/Verification
(D) अन्वेषण/Investigation

94. (C)
- किसी सम्पत्ति व वस्तु की सच्चाई की पुष्टि करना।
- किसी बात या सम्पत्ति को सिद्ध करना, प्रमाणीकरण व सत्य की जाँच – पड़ताल करना।
- प्रमाणन किसी वस्तु, व्यक्ति अथवा संगठन की कुल विशेषताओं की पुष्टि करने से सन्दर्भित है।
- मूल्यांकन दो शब्दों से मिलकर बना है– मूल्य–अंकन। यह अंग्रेजी के Evaluation शब्द का हिन्दी रूपांतरण है। मापन जहाँ किसी वस्तु या व्यक्ति के गुणों को अंक प्रदान करता है वही मूल्यांकन उन अंकों का विश्लेषण करता है और उनकी तुलना दूसरे से करके एक सर्वोत्तम वस्तु या व्यक्ति का चयन करता है।
- अन्वेषण वह है जिसमें ऐसी अज्ञात अथवा दूर की बातों, वस्तुओं, स्थानों आदि का पता लगाना जो अब तक सामने न आई हों।

95. अधिकार अंश का आशय है, वे अंश जो :
Right shares means those shares which are :
(A) निदेशकों को निर्गत किए गये हों/Issued to directors
(B) वर्तमान अंशधारियों को प्रस्तावित किये गये हों/Offered to existing shareholders
(C) वर्तमान ऋणपत्रधारियों को प्रस्तावित किये गये हों/Offered to existing debentureholders
(D) कम्पनी के लेनदारों को निर्गत किये गये हों/Issued to creditors of the company

95. (B) • अधिकार अंश वह होता है जो कि दी गई शर्तों की पूर्ति करता है।
• अधिमानी अंशधारियों को एक निश्चित राशि का लाभांश पाने का अथवा प्रत्येक अंश के अंकित मूल्य पर निश्चित दर से परिकलित किये गये लाभांश पाने, समता अंशधारियों को लाभांश भुगतान से पूर्व का अधिकार होता है।
• अधिकार अंशों में निदेशकों को निर्गत नहीं किया जाता है।
• अधिकार अंशों में वर्तमान ऋणपत्रधारियों को प्रस्तावित नहीं किया जाता है।
• अधिकार अंशों में कम्पनी के लेनदारों को निर्गत नहीं किया जाता है।

96. नियन्त्रण प्रक्रिया संबंधित होती है :
The process of controlling is concerned with :
(A) वास्तविक निष्पादन के मापन से/Measurement of the actual performance
(B) मानकों के निर्धारण से/Setting up of standards
(C) कार्यों के अभिहस्तांकन से/Assigning the tasks
(D) लक्ष्यों को निर्धारित करने से/Determination of goals

96. (A) • नियन्त्रण प्रक्रिया प्रदर्शन के मानकों को तय करने के साथ शुरू होती है। इसमें स्पष्ट शब्दों को अपेक्षित परिणाम को स्पष्ट करना और उसे सांगठनिक सदस्यों को बताना शामिल है।
• नियन्त्रण प्रक्रिया में प्रदर्शन मानकों को परिमाण, गुण, धन और समय के पदों में अभिव्यक्त किया जाता है।
• निष्पादन मूल्यांकन की जाने वाली विषय–वस्तु संगठनात्मक उद्देश्यों जैसे–उत्पादन, लागत–बचत आदि के प्रति योगदान के रूप में हो सकती है।
• नियन्त्रण प्रक्रिया कार्यों के अभिहस्तांकन से संबंधित नहीं होती है।
• लक्ष्यों को निर्धारित करने का आशय यह है कि प्रबन्धक द्वारा लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से सभी प्रबन्धन किये जा चुके हैं।

97. अभिप्रेरण का Z-सिद्धान्त प्रतिपादित किया गया था :
Z-theory of motivation was propounded by :
(A) एफ. डब्ल्यू. टेलर द्वारा/F. W. Taylor
(B) कीथ डेविस द्वारा/Keith Davis
(C) एल. एफ. उर्विक द्वारा/L. F. Urwick
(D) पीटर ड्रकर द्वारा/Peter Drucker

97. (C) • एल. एफ. उर्विक एक ब्रिटिश प्रबंधन सलाहकार और व्यावसायिक विचारक थे।
• एल.एफ.उर्विक ने 1943 में प्रकाशित 'द एलिमेंट्स आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन' नामक एक प्रभावशाली पुस्तक लिखी।
• एफ. डब्ल्यू. टेलर को वैज्ञानिक प्रबन्धन का जनक और आधुनिक प्रबन्धन दृष्टिकोण और तकनीकों का अग्रणी माना जाता है।
• कीथ डेविस न्यूजीलैंड रग्बी यूनियन खिलाड़ी था जो न्यूजीलैंड के लिये खेला था।
• पीटर ड्रकर एक अमेरिकी प्रबन्धन सलाहकार, शिक्षक एवं लेखक थे। वे मूलतः ऑस्ट्रिया के निवासी थे। प्रबन्धन शिक्षा के विकास के क्षेत्र में उन्होंने नेतृत्व किया। उन्होंने लक्ष्यों द्वारा प्रबन्धन नामक कांसेप्ट दिया।

98. "जितना ऊँचा अनुपात होता है, उतना ही यह पक्ष में होता है।" यह कथन लागू नहीं होता है :
"Higher the ratio, the more favourable it is." This statement does not apply with respect to :
(A) स्कन्ध आवर्त अनुपात के संबंध में/Stock Turnover Ratio
(B) शुद्ध लाभ अनुपात के संबंध में/Net Profit Ratio
(C) सकल लाभ अनुपात के संबंध में/Gross Profit Ratio
(D) परिचालन अनुपात के संबंध में/Operating Ratio

98. (D) • यह अनुपात संचालन लागत एवं संचालन व्ययों के योग तथा शुद्ध विक्रय के बीच संबंध प्रकट करता है।
• संचालन अनुपात/परिचालन
$$= \frac{\text{बिक्री की लागत + सभी संचालन व्यय}}{\text{शुद्ध बिक्री}} \times 100$$
• जिस संस्था का शुद्ध लाभ अनुपात जितना कम होगा, उस संस्था की लाभदायक क्षमता उतनी ही खराब मानी जायेगी, शुद्ध लाभ अनुपात कहते हैं।
• सकल लाभ अनुपात को प्रतिशत में प्रकट किया जाता है। यह लाभ जितना अधिक होगा व्यवसाय की लाभदायता उतनी ही अधिक होगी।
• स्कंध आवर्त अनुपात में पूर्णतया निर्मित बिक्री योग्य बिना बिके माल से है।
रहतिया आवर्त अनुपात
$$= \frac{\text{बिक्री की लागत}}{\text{औसत रहतिया}}$$

99. किसी समान्तर माध्य से लिये गये विचलनों का योग होता है :
The sum of deviations taken from the arithmetic mean of a series is :
(A) शून्य/Zero
(B) धनात्मक/Positive
(C) ऋणात्मक/Negative
(D) (B) तथा (C) दोनों/Both (B) and (C)

99. (A) • गणित एवं सांख्यिकी में समान्तर माध्य नमूने के आँकड़ों की केन्द्रीय प्रवृत्ति की एक गणितीय माप है।
• जब इसे दूसरे प्रकार के माध्यों से अलग करते हुए देखना हो तो इसे समान्तर माध्य कहते हैं।
• किसी शृंखला के किसी माध्य के निकाले गए विचलनों के जोड़ के समांतर माध्य को माध्य विचलन कहते हैं।
• किसी समान्तर माध्य से लिये गये विचलनों का योग शून्य ही होता है।

100. विक्रय मूल्य में वृद्धि होने पर :
Are increase in sales price :
(A) सम–विच्छेद बिन्दु पर कोई फर्क नहीं पड़ता/Does not affect Break-Even Point
(B) सम–विच्छेद बिन्दु कम हो जाता है/Lowers Break-Even Point
(C) सम–विच्छेद बिन्दु बढ़ जाता है/Raises Break-Even Point
(D) शुद्ध लाभ में कमी हो जाती है/Lowers net profit

100. (B) • विक्रय अथवा उत्पादन की वह मात्रा जिस पर न लाभ है न ही हानि, सम–विच्छेद बिन्दु कहलाता है।

- इस बिन्दु पर कुल आय कुल लागत के बराबर होती है। इस बिन्दु से कम विक्रय अथवा उत्पादन करने पर हानि होती है और यदि बिन्दु से विक्रय अथवा उत्पादन अधिक किया जाता है तो लाभ होगा।
- शुद्ध लाभ एक प्रकार की आय या लाभ है जो किसी वस्तु को बेचने से विक्रय करने वाले को क्रय करने वाले व्यक्ति द्वारा दिया जाता है।
- विक्रय मूल्य कोई भी वस्तु जिस मूल्य पर बेची जाती है तो उस मूल्य को उस वस्तु का विक्रय–मूल्य कहा जाता है।

101. वह शक्ति जो किसी व्यक्ति को कार्य करने के लिये गति प्रदान करती है, कहलाती है :
The force that drives a person to take action is called :
(A) प्रबन्धन/Management
(B) निर्देशन/Directing
(C) नियंत्रण/Controlling
(D) अभिप्रेरणा/Motivation

101. (D)
- आपेक्षित व्यवहार के लिए प्रोत्साहित करना, आरम्भ करना, जारी रखना तथा दिशा प्रदान करना अभिप्रेरणा कहलाता है।
- प्रेरणा या अभिप्रेरणा वह शक्ति है जो व्यक्ति के कार्य को गति प्रदान करती है।
- प्रबन्धन संगठनात्मक लक्ष्यों, उद्देश्यों और मिशन को प्राप्त करने के लिये सभी संसाधनों का उपयोग करने में संगठन के सदस्यों के प्रयासों की योजना, आयोजन, स्टाफ, निर्देशन और नियन्त्रण की प्रक्रिया है।
- निर्देशन एक प्रक्रिया है जिसके अनुसार एक व्यक्ति को सहायता प्रदान की जाती है जिससे कि वह अपने समस्या को समझते हुए आवश्यक निर्णय ले सके और निष्कर्ष निकालते हुए अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सकें।
- प्रबन्धक के द्वारा संगठन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संगठन कार्य के निष्पादन को निदेशित करता है। नियंत्रण कार्य में निष्पादन के स्तर निर्धारित किये जाते हैं, वर्तमान निष्पादन को मापा जाता है।

102. 1 मार्च, 2018 को प्रारम्भ किये गये व्यापार की आय का कर निर्धारण जिस कर निर्धारण वर्ष में होगा, वह है :
Income from business commenced on 1st March, 2018 will be assessed in the assessment year :
(A) 2017 - 18 (B) 2018 - 19
(C) 2019 - 20 (D) 2020 - 21

102. (B)
- 1 मार्च, 2018 को प्रारम्भ किये गये व्यापार की आय का कर निर्धारण जिस कर निर्धारण वर्ष में होगा वह 2018-19 है।
- जिस वित्तीय वर्ष में कर योग्य आय हुयी है उसके अगले वित्तीय वर्ष को कर निर्धारण वर्ष कहा जाता है।
- जैसे वित्तीय वर्ष 2018-19 में कर योग्य आय के लिये कर निर्धारण वर्ष वित्तीय वर्ष 2019-20 होगा।
- कर निर्धारण वर्ष का अभिप्राय 12 माह की उस अवधि से है जो कि 1 अप्रैल से प्रारम्भ होकर आगामी वर्ष की 31 मार्च को समाप्त होती है। करदाता द्वारा कर निर्धारण वर्ष में अपनी गत वर्ष की कमाई हुई आय का भुगतान करना होता है।

103. साझेदारी का समापन जिस कारण हो सकता है, वह है :
The partnership may come to an end due to the :
(A) साझेदार की मृत्यु/Death of a partner
(B) किसी साझेदार का दिवालिया होना/Insolvency of a partner
(C) सभी साझेदारों की सहमति द्वारा/Consent of all partners
(D) उपर्युक्त सभी/All of the above

103. (D)
- साझेदारी का समापन साझेदारी की मृत्यु, किसी साझेदारी का दिवालिया होना व सभी साझेदारी की सहमति द्वारा होता है।
- साझेदारी का समापन नए साझेदार का प्रवेश के द्वारा और साझेदारों के मध्य लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन के कारण भी हो सकता है।
- साझेदारी का समापन किसी साझेदार की मृत्यु होने पर हो जाता है।
- साझेदारी का समापन न्यायालय द्वारा किसी साझेदार को दिवालिया घोषित होने पर भी हो जाता है।
- जिस प्रकार परस्पर समझौते द्वारा साझेदारी का गठन होता है उसी प्रकार परस्पर समझौते द्वारा अथवा सहमति से फर्म का विघटन किया जा सकता है।

104. अधिकार प्रतिनिधायन करते समय वरिष्ठ प्रदान करता है :
While delegating authority a supervisor delegates :
(A) केवल अधिकार/Only authority
(B) अधिकार एवं उत्तरदायित्त्व/Authority and responsibility
(C) अधिकार, उत्तरदायित्त्व एवं उत्तरदेयता/Authority, responsibility and accountability
(D) उत्तरदायित्त्व एवं उत्तरदेयता/Responsibility and accountability

104. (B)
- अगर किसी के पास कोई अधिकार है, तो वह तब तक उसका उपभोग नहीं कर सकता जब तक दूसरा एक दायित्त्व के रूप में उस अधिकार का आदर न करें।
- इस लिहाज से अधिकार और दायित्त्व एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।
- अधिकार मूल रूप से हकदारी अथवा ऐसा दावा है जिसका औचित्य सिद्ध हो।
- अधिकार और कर्त्तव्य दोनों एक–दूसरे के पूरक हैं। यदि व्यक्ति अपने कर्त्तव्यों का पालन करता है तो हनन की घटनाएँ खुद ब खुद कम हो जायेंगी।
- उत्तरदेयता भौगोलिक दृष्टि से फैले हुए तथा संख्या में अधिक हो सकते हैं।

105. निम्नलिखित में से कौन सी तटस्थता वक्रों की विशेषता नहीं है ?
Which among the following is not a property of indifference curves ?
(A) तटस्थता वक्र एक–दूसरे को नहीं काट सकते/Indifference curves cannot intersect each other
(B) तटस्थता वक्र का प्रत्येक बिन्दु समान सन्तुष्टि दर्शाता है/Every point of an indifference curve shows equal satisfaction
(C) तटस्थता वक्र सदैव मूल बिन्दु की ओर नतोदर होते हैं/Indifference curves are, always concave to the origin
(D) तटस्थता वक्र अपने अक्षों को नहीं छूते/Indifference curves do not touch the axis

105. (C)
- तटस्थता वक्र किसी उपभोक्ता के व्यवहार को बताने वाला वक्र है।
- जिसमें किसी एक वक्र के किसी भी बिंदु पर उपभोक्ता को प्राप्त होने वाली उपभोग सामग्री से समान संतुष्टि प्राप्त होती है।
- तटस्थता वक्र एक–दूसरे को कभी नहीं काटते हैं।

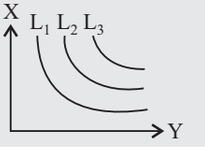

- तटस्थता वक्र का प्रत्येक बिन्दु समान सन्तुष्टि दर्शाता है। तटस्थता वक्र सदैव मूल बिन्दु की ओर ही उन्नतोदर होता है।
- तटस्थता वक्र अपने अक्षों को नहीं छूते हैं। तटस्थता वक्र कभी भी लंबवत् नहीं होता और क्षैतिज भी नहीं होता है।

106. विनियोग की बिक्री के पश्चात् शोधन कोष विनियोग खाते का शेष हस्तांतरित किया जाता है :

After sale of investment the balance of sinking fund investment account is transferred to :

(A) लाभ–हानि खाते में/Profit and loss account

(B) पूँजी संचय खाते में/Capital reserve account

(C) शोधन कोष खाते में/Sinking fund account

(D) ऋणपत्र खाते में/Debentures account

106. (C)
- शोधन कोष में इसमें निवेशकों को ब्याज शुरुआती स्तर पर मिल जाती है।
- इस स्थिति में निवेशक को मूल राशि लौटायी नहीं जाती सिवाय इसके कि निवेशक कंपनी में शेयरधारक न हो।
- संक्षेप में हम कह सकते हैं कि अवास्तविक खातों से संबंधित समस्त खातों के शेष लाभ–हानि खाते में लिखा जाता है यदि क्रेडिट शेष हो तो शुद्ध लाभ लिखकर डेबिट पक्ष में दर्शाया जाता है और हानि को क्रेडिट पक्ष में।
- पूँजी संचयों को पूँजीगत लाभों में से बनाया जाता है।
- ऋणपत्र जिनका भुगतान एक पूर्व निश्चित तिथि को या एक निश्चित तिथि की समाप्ति के बाद कर दिया जाता है।

107. कर्मचारियों की जिम्मेदारियों की एक ऐसी व्यवस्था जिसमें किसी लेन–देन के प्रत्येक पहलुओं का अभिलेखन किसी एक व्यक्ति द्वारा नहीं किया जाता, कहलाती है :

An arrangement of staff duties whereby no one person is allowed to record every aspect of a transaction is called :

(A) आन्तरिक प्रशासन/Internal Administration

(B) आन्तरिक रोकथाम/Internal Check

(C) आन्तरिक अंकेक्षण/Internal Audit

(D) आन्तरिक प्रबन्धन/Internal Management

107. (B)
- आन्तरिक रोकथाम एक प्रणाली है जिसमें नियन्त्रण वातावरण और प्रक्रिया शामिल होती है।
- जो संगठन को व्यावसायिक उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करती है।
- किसी क्षेत्र में विशिष्ट शासन या किन्ही मानव प्रबंधन गतिविधियों को प्रशासन कहा जाता है।
- एक संस्था के हिसाब–किताब की समय–समय पर उसके वेतन प्राप्त कर्मचारियों द्वारा की गई जाँच आंतरिक अंकेक्षण कहलाती है।
- आन्तरिक प्रबन्धन किसी कम्पनी या संगठन के भीतर सख्ती से होती है जिसके तहत् सभी प्रबन्धन स्तरों पर कर्मचारियों को संरेखित, प्रेरित व सशक्त बनाने के लिए संतोषजनक ग्राहक अनुभव प्रदान करना है।

108. किसी सामान्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए की जाने वाली विभिन्न क्रियाओं में सामंजस्य स्थापित करने तथा तालमेल बनाये रखने के उद्देश्य से सामूहिक प्रयत्नों में व्यवस्था करने को कहा जाता है :

An orderly arrangement of group efforts to provide unity of action in the pursuit of common goals is called :

(A) निर्देशन/Direction

(B) समन्वय/Co-ordination

(C) नियंत्रण/Control

(D) निर्णयन/Decision making

108. (B)
- समन्वय का शाब्दिक अर्थ है संतुलन स्थापित करना।
- निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हेतु विभिन्न गतिविधियों में सामंजस्य स्थापित करना।
- निर्देशन वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा व्यक्ति को विकसित करने अपने सम्बन्ध में पर्याप्त व समन्वित करने तथा कार्य क्षेत्र में अपनी भूमिका को समझने में सहायता प्राप्त होती है।
- उचित नियन्त्रण संगठन काम में सुगमता लाता है। नियन्त्रण गलतियों को जाँचने में मदद करता है।
- निर्णयन का महत्त्व प्रत्येक परिस्थिति में प्रबन्धकों द्वारा लिये गये निर्णय सही होने चाहिए तथा जिस उद्देश्य की पूर्ति हेतु निर्णय लिये गये हैं उनकी पूर्ति होनी चाहिए।

109. एक नये उत्पाद का परिचय कराने हेतु विज्ञापन पर किया गया भारी प्रारम्भिक व्यय वर्गीकृत किया जाता है :

Heavy initial expenditure on advertising to introduce a new product is classified as :

(A) पूँजीगत व्यय के रूप में/Capital expenditure

(B) आयगत व्यय के रूप में/Revenue expenditure

(C) माने गये दायित्व के रूप में/Deemed liability

(D) स्थगित आयगत व्यय के रूप में/Deferred revenue expenditure

109. (D)
- आयगत व्यय जिसकी उपयोगिता कई वर्षों तक रहती है व राशि अधिक होती है स्थगित आयगत व्यय कहते हैं।
- इसे संक्षेप में DRE (Deferred Revenue Expenditure) कहा जाता है।
- ऐसे व्यय जिसका लाभ एक ही लेखांकन अवधि में प्राप्त हो जाता है और इसके अलावा किसी व्यय से व्यापार की लाभ अर्जन क्षमता में अथवा स्थाई सम्पत्तियों में वृद्धि नहीं होती है आयगत व्यय कहते हैं।
- ऐसे व्यय जिसका लाभ एक ही लेखा वर्ष में प्राप्त न होकर भविष्य में कई वर्षों तक मिलता है पूँजीगत व्यय कहलाता है।
- माने गये दायित्त्व के ये सभी राशियाँ हैं जो लेनदारों को भविष्य में देय हैं।

110. दो चरों के मध्य कार्यात्मक संबंध कहलाता है :

A functional relationship between two variables is called :

(A) सहसंबंध विश्लेषण/Correlation Analysis

(B) काल–श्रेणी विश्लेषण/Time series Analysis

(C) प्रतीपगमन विश्लेषण/Regression Analysis

(D) गुण साहचर्य/Association Attributes

110. (C)
- प्रतीपगमन विश्लेषण चर के बीच संबंधों का आकलन करने के लिये एक सांख्यिकीय प्रक्रिया है।
- प्रतीपगमन विश्लेषण सांख्यिकीय तरीकों का एक सेट है।
- सहसंबंध विश्लेषण दो चर के बीच संबंधों की ताकत का मूल्यांकन करने के लिये किया जाता है।
- समय के क्रमिक बिंदुओं के तत्व संवादी उसी चर के मूल्य का व्यवस्थित अनुक्रम भी काल–श्रेणी कहलाता है।
- पूर्ण संख्याओं की तरह तीन पूर्णांकों का गुणनफल उनके समूह बनाने पर निर्भर नहीं करता है और यह पूर्णांकों के लिये गुणन का साहचर्य गुण कहलाता है।

111. अयाचित पूँजी का वह भाग जिसे कम्पनी के समापन के समय याचित किया जा सकता है, कहलाता है :

The portion of uncalled capital that can be called up only on winding up of the company is known as :

(A) अधिकृत पूँजी/Authorised capital

(B) निर्गमित पूँजी/Issued capital

(C) प्रार्थित पूँजी/Subscribed capital

(D) संचित पूँजी/Reserve capital

111. (D)
- संचित पूँजी न माँगी गई अंश पूँजी का भाग है। जिसकी माँग कम्पनी के विघटन पर ही की जाती है।
- संचित पूँजी का उपयोग कंपनी के समापन पर होता है।
- अधिकृत पूँजी की अधिकतम राशि वह है जो शेयरधारकों को कम्पनी में निवेश करने के लिये अधिकृत है।
- निर्गमित पूँजी अधिकृत पूँजी का वह भाग है जो जनता के अंश को खरीदने के उद्देश्य से निर्गमित किया जाता है।
- यह निर्गमित पूँजी का वह भाग है जिसे जनता द्वारा ले लिया गया है। यदि सम्पूर्ण निर्गमित पूँजी जनता लेने के लिये तैयार हो जाये, तो प्रार्थित पूँजी निर्गमित पूँजी के बराबर हो जायेगी।

112. वे व्यय, जो कि किसी वस्तु की माँग बढ़ाने के लिए किए जाते हैं, जाने जाते हैं :

the expenses which are incurred to increase the demand of the product are known as :

(A) बिक्री व्यय/Selling expenses

(B) वितरण व्यय/Distribution expenses

(C) (A) और (B) दोनों/Both (A) and (B)

(D) न तो (A) और न ही (B)/Neither (A) nor (B)

112. (A)
- वे व्यय जो कि किसी वस्तु की माँग बढ़ाने के लिये किये जाते हैं बिक्री व्यय जाने जाते हैं।
- बिक्री प्रबंधक और कर्मचारियों सहित वेतन और यात्रा के अन्य खर्च जैसे सैल्समैन और कर्मचारी।
- वितरण व्यय ये खर्च उत्पाद के पूरा होने के बाद गंतव्य तक पहुँचने तक किये गये सभी खर्चों को समाहित करते हैं।

113. एक नये साझेदार के प्रवेश पर किसी सम्पत्ति के मूल्य में हुयी वृद्धि को क्रेडिट किया जाता है :

On admission of a new partner increase in the value of an asset is credited to :

(A) पुराने साझेदारों के पूँजी खाते में/Old Partner's Capital Account

(B) पुनर्मूल्यांकन खाते में/Revaluation Account

(C) सम्पत्ति खाते में/Assets Account

(D) सभी साझेदारों के पूँजी खाते में/All Partner's Capital Account

113. (A)
- एक नये साझेदार के प्रवेश पर किसी सम्पत्ति के मूल्य में हुयी वृद्धि को पुराने साझेदारों के पूँजी खाते में क्रेडिट किया जाता है।
- नये साझेदार एक नये समझौते के अधीन एक फर्म का पुनर्गठन हो जाता है।
- पुनर्मूल्यांकन खाता सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन तथा दायित्त्वों के पुनर्निर्धारण पर होने वाले लाभ अथवा हानि को ज्ञात करने के उद्देश्य से बनाया जाता है।
- सम्पत्ति प्रत्यक्ष कर राशि होती है जो किसी अचल संपत्ति के स्वामी द्वारा उस सम्पत्ति के मूल्य के अनुसार अदा किया जाता है।
- एक नये साझेदार के प्रवेश पर किसी सम्पत्ति के मूल्य में हुयी वृद्धि को सभी साझेदार के पूँजी खाते में नहीं दिखाया जाता है।

114. सुरक्षा सीमा से तात्पर्य है :

Margin of safety means :

(A) वास्तविक विक्रय एवं कुल लागत के अन्तर से/Difference between actual sales and total cost

(B) वास्तविक विक्रय एवं परिवर्तनशील लागत के अन्तर से/Difference between actual sales and variable cost

(C) वास्तविक विक्रय एवं स्थिर लागत के अन्तर से/Difference between actual sales and fixed cost

(D) वास्तविक विक्रय एवं सम–विच्छेद विक्रय के अन्तर से/Difference between actual sales and Break-Even sales

114. (D)
- सुरक्षा सीमा से तात्पर्य वास्तविक विक्रय एवं सम–विच्छेद विक्रय के अन्तर से है।
- सुरक्षा सीमा स्कन्ध नियन्त्रण उत्पादों की लागतों को नियंत्रण करने में सहायक होता है।
- कुल लागत किसी वस्तु के कुल उत्पादन में जो कुल धन व्यय होता है।
- स्थिर लागतें कुल लागत का वह अंश होती है जो उत्पादन के कम होने या ज्यादा या बिल्कुल न होने पर स्थिर रहता है।
- जो लागत उत्पादन स्तर में परिवर्तन होने पर बदल जाती है। उसे परिवर्तनशील लागत कहते हैं।

115. सकल लाभ अनुपात की गणना की जाती है :

Gross Profit Ratio is calculated by :

(A) $\frac{\text{सकल लाभ}}{\text{सकल विक्रय}} \times 100$ द्वारा/

$\frac{\text{Gross Profit}}{\text{Gross Sales}} \times 100$

(B) $\frac{\text{सकल लाभ}}{\text{शुद्ध विक्रय}} \times 100$ द्वारा/

$\frac{\text{Gross Profit}}{\text{Net Sales}} \times 100$

(C) $\frac{\text{शुद्ध लाभ}}{\text{सकल विक्रय}} \times 100$ द्वारा/

$\frac{\text{Net Profit}}{\text{Gross Sales}} \times 100$

(D) $\frac{\text{सकल प्राप्तियाँ}}{\text{शुद्ध विक्रय}} \times 100$ द्वारा/

$\frac{\text{Gross Receipts}}{\text{Net Sales}} \times 100$

115. (B) सकल लाभ अनुपात

$= \frac{\text{सकल लाभ}}{\text{शुद्ध विक्रय}} \times 100$ द्वारा

सकल लाभ वह लाभ है जो एक कम्पनी अपने उत्पादों को बनाने और बेचने से जुड़ी लागतों में कटौती करने के बाद या अपनी सेवाएँ प्रदान करने से जुड़ी लागतों में कटौती करती है। सकल लाभ कंपनी के आय विवरण पर दिखाई देगा और इसकी गणना बिक्री से बेची गई वस्तुओं की लागत को भाग व 100 से गुणा करने पर निकाला जाता है।

116. सूचकांकों को व्यक्त किया जाता है :

Index numbers are expressed in :

(A) अनुपात में/Ratio

(B) प्रतिशत में/Percentage

(C) वर्ग में/Square

(D) संयोजन में/Combination

116. (B)
- सूचकांक सापेक्ष परिवर्तनों की प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्ति करते हैं।
- सूचकांक किसी मात्रा के ऐसे परिवर्तनों को मापन के लिए भी उपयोग में लाये जाते हैं, जिनका हम प्रत्यक्ष रूप से मापन नहीं कर सकते।

- सूचकांकों को अनुपात में व्यक्त नहीं किया जा सकता है।
- सूचकांकों को वर्ग में व्यक्त नहीं किया जा सकता है।
- सूचकांको का संयोजन में व्यक्त नहीं किया जा सकता है।

117. साझेदारी के गठन के लिये साझेदारों के मध्य लिखित अनुबन्ध कहलाता है :
The written agreement between the partners to form a partnership is called :
(A) समामेलन का प्रमाण–पत्र/Certificate of Incorporation
(B) पार्षद सीमा नियम/Memorandum of Association
(C) फर्म के निर्माण का प्रमाण–पत्र/Certification of Formation of Firm
(D) साझेदारी संलेख/Partnership Deed

117. (D)
- साझेदारी संलेख एक साझेदारी समझौता होता है।
- इसमें कानून का बल है और यह व्यवसाय के संचालन में भागीदारों का मार्गदर्शन करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- समामेलन के प्रमाण – पत्र को न्यायालय में कम्पनी के अस्तित्त्व के प्रमाण के रूप में किया जा सकता है।
- पार्षद सीमा नियम कम्पनी की सीमा भी निर्धारित करता है।
- साझेदारी फर्म के पंजीकरण हेतु आवेदन में कम्पनी के समावेश के लिये निर्धारित पंजीकरण फॉर्म, साझेदारों के पहचान, प्रमाण और व्यवसाय के प्रमुख स्थल का प्रमाण शामिल होना चाहिए।

118. निम्नलिखित में से कौन–सा लाभ–मात्रा अनुपात (P/V Ratio) का सूत्र नहीं है ?
Which of the following is not a formula of P/V Ratio ?
(A) P/V Ratio $= \frac{S-V}{S} \times 100$
(B) P./V Ratio $= \frac{\text{Profit}}{\text{MOS}} \times 100$
(C) P/V Ratio $= \frac{\text{Change in Profit}}{\text{Change in Total Cost}} \times 100$
(D) P/V Ratio $= \frac{F}{\text{BEP (₹)}} \times 100$

118. (C) P/V Ratio $= \frac{\text{Change in Profit}}{\text{Change in Total Cost}} \times 100$
पी/वी अनुपात, बिक्री की मात्रा में परिवर्तन के कारण लाभ के परिवर्तन की दर का माप है। यह लाभप्रदता की गणना के लिए महत्वपूर्ण अनुपातों में से एक है क्योंकि यह बिक्री के संबंध में अर्जित योगदान को इंगित करता है।

119. किस सैद्धान्तिक वितरण के अन्तर्गत चतुर्थक विचलन, प्रमाप विचलन का 2/3 होता है ?
Under which theoretical distribution, the quartile deviation is 2/3 of Standard Deviation ?
(A) द्विपद वितरण/Binomial Distribution
(B) प्रसामान्य वितरण/Normal Distribution
(C) पॉयसन वितरण/Poission Distribution
(D) यादृच्छिक वितरण/Random Distribution

119. (B)
- प्रसामान्य वितरण सतत् प्रायिकता बंटन है।
- प्रसामान्य वितरण वह है जो प्रकृति में सामान्यतः पाया जाता है।
- द्विपद वितरण वह है जिसमें बार–बार परीक्षण की संभावना का अध्ययन किया जाता है।
- पॉयसन वितरण एक निश्चित अवधि के साथ बेतरतीब ढंग से होने वाली स्वतंत्र घटनाओं की गिनती देता है।
- प्रयोगों में जहाँ उनकी सामान्य संभावना के साथ अलग परिणाम संयुक्त रूप से वितरित यादृच्छिक वितरण के रूप में जाना जाता है।

120. टेलर के क्रियात्मक संगठन में 'टोली नायक' :
In Taylor's functional organisation, 'gang boss' :
(A) कार्य की गुणवत्ता की जाँच करता है/Inspects quality of work
(B) आदेश व निर्देश जारी करता है/Issues orders and instructions
(C) उपकरण व मशीनें तैयार करवाता है/Set up tools and machines
(D) उत्पादन लागत के निर्धारण के लिये आँकड़े संकलित करता है/Compiles data for ascertainment of cost of production

120. (C)
- टोली नायक श्रमिकों के कार्य निश्चित करता है तथा आवश्यक सामग्री एवं यन्त्र आदि की व्यवस्था करता है।
- कार्य की गुणवत्ता की जाँच करना यह है कि कोई उत्पाद या कोई सेवा उच्चकोटि की बनी रहे।
- टेलर के क्रियात्मक संगठन में टोली नायक के कार्यों में आदेश व निर्देश जारी नहीं किया जाता है।
- टेलर के क्रियात्मक संगठन में टोली नायक द्वारा उत्पादन लागतों के निर्धारण के लिये आँकड़े संकलित नहीं किये जाते हैं।

121. ऋण–समता अनुपात एक परीक्षण है :
The Debt-Equity Ratio is a test of :
(A) लाभदायकता का/Profitability
(B) शोधक्षमता का/Solvency
(C) तरलता का/Liquidity
(D) प्रबन्धकीय कार्यकुशलता का/Managerial efficiency

121. (B)
- शोधन क्षमता अनुपात $= \frac{\text{कुल बाहरी दायित्व}}{\text{कुल सम्पत्तियाँ}}$
- संस्था की शोधन क्षमता से आशय उसकी बाहरी दायित्वों के भुगतान करने की क्षमता से है।
- यह अनुपात अंशधारियों को देय लाभांश तथा कम्पनी के लाभों के मध्य सम्बन्धों को बताता है।
- यह अनुपात तरल सम्पत्तियों एवं तरल दायित्वों के बीच सम्बन्ध स्थापित करता है।
- प्रभावी प्रबंध का संबंध सही कार्य को करने, क्रियाओं को पूरा करने एवं उद्देश्यों को प्राप्त करने से हैं।

122. उत्पादन लागत होती है :
Cost of production is :
(A) मूल लागत + कारखाना उपरिव्यय/Prime cost + Factory overheads
(B) कारखाना लागत + प्रशासनिक उपरिव्यय/Factory cost + Administrative overheads
(C) प्रत्यक्ष लागत + अप्रत्यक्ष व्यय/Direct cost + Indirect expenses
(D) मूल लागत + प्रशासनिक उपरिव्यय/Prime cost + Administrative overheads

122. (B)
- उत्पादन लागत किसी भी वस्तु के उत्पादन के दौरान उस पर खर्च की गई कुल राशि को ही लागत कहा जाता है।
- इसमें कई मूल्य होते हैं जैसे– कच्चे माल पर खर्च, मशीन को चलाने का खर्च। इन सभी खर्चों को मिलाकर जो राशि होती है उसे उत्पादन लागत कहा जाता है।
- मूल लागत + कारखाना उपरिव्यय = कारखाना लागत
- प्रत्यक्ष लागत + अप्रत्यक्ष व्यय = कुल लागत
- मूल लागत + प्रशासनिक उपरिव्यय = उपरिव्यय

123. ऋण पत्रों के शोधन के पश्चात् ऋण शोधन कोष खाते के शेष को हस्तान्तरित किया जाता है :

After redemption of debentures, the balance of Sinking Fund Account is transferred to :

(A) सामान्य संचय खाते में/General Reserve Account

(B) पूँजी संचय खाते में/Capital Reserve Account

(C) लाभ–हानि खाते में/Profit and Loss Account

(D) ऋण–पत्र खाते में/Debenture Account

123. (A)
- सामान्य संचय खाते में फॉरेन करेंसी एसेट्स होते हैं।
- जो किसी अर्थव्यवस्था में विदेशी भुगतान में असंतुलन की स्थिति में आर.बी.आई. जैसी एजेंसियों के पास डायरेक्ट रिजर्व इस बात का भी भरोसा दिलाते हैं सरकार विदेशी देनदारियों के समय पर भुगतान करने।
- पूँजी संचय का निर्माण पूँजीगत लाभ अथवा आयगत लाभ में से किया जाता है।
- लाभ–हानि खाते से निश्चित राशि शोधन कोष में हस्तान्तरित करने पर लाभ–हानि नियोजन खाता को हस्तान्तरित किया जाता है।
- ऋण–पत्र, ऋण दाता और कम्पनी के बीच एक अनुबन्ध होता है, जिसके अन्तर्गत कम्पनी ऋणदाता से लिये गये ऋण को ब्याज सहित भुगतान करने का वचन देती है।

124. आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर का भार निर्भर करता है :

Under Income Tax Act, 1961 incidence of taxation depends on :

(A) नागरिकता पर/Citizenship

(B) आयु पर/Age

(C) निवास की स्थिति पर/Residential status

(D) लिंग पर/Gender

124. (C)
- निवास की स्थिति पर का मतलब है कि कोई व्यक्ति भारत का निवासी है या नहीं।
- निवास की स्थिति पर अगर वह भारत का निवासी है तो उसकी इनकम पर टैक्स कैलकुलेशन अलग तरीके से की जायेगी।
- नागरिकता एक विशेष सामाजिक राजनैतिक, राष्ट्रीय या मानव संसाधन समुदाय का एक नागरिक होने की अवस्था है।
- आयु पर लोगों पर समान टैक्स लगेगा।
- लिंग पर महिलाओं के प्रति विशेष रूप से विपणन क्रिया पुरुषों के लिए विपणन की तुलना में अधिक महँगा हो सकता है उत्पादों के लिए प्रवृत्ति को दर्शाता है।

125. काल–श्रेणी विश्लेषण के अन्तर्गत ऐसा नियमित एवं आवधिक संचलन जो एक वर्ष से अधिक का न हो, कहलाता है :

Under Time-Series Analysis regular and periodic moment not exceeding one year is called :

(A) प्रवृत्ति/Trend

(B) चक्रीय परिवर्तन/Circular Variation

(C) अनियमित संचलन/Irregular Moment

(D) मौसमी परिवर्तन/Seasonal Variation

125. (D)
- मौसमी परिवर्तन प्रति घंटा, प्रतिदिन या प्रतिमाह हो सकते हैं।
- मौसमी परिवर्तन में नियमित तथा एकरूपता से घटते – बढ़ते हैं।
- प्रवृत्ति कई वर्षों की एक शृंखला के प्रचालन परिणामों एवं वित्तीय स्थिति के अध्ययन की एक तकनीक है।
- अनियमित संचलन अनियमित दोहराव नहीं है और एक निश्चित पैटर्न में है।
- चक्रीय परिवर्तन यादृच्छिक चर को संदर्भित करती है जो प्रकृति में आवधिक है।

●●